दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-86 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 09 मई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

शुभेंदु अधिकारी के सिर आज सजेगा बंगाल के सीएम का ताज

-पीएम मोदी सहित देश के दिग्गजों का होगा जमावड़ा

कोलकाता,(आरएनएस)। शुभेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालने जा रहे हैं। कोलकाता में आयोजित भाजपा विधायक दल की बैठक में उन्हें औपचारिक रूप से नेता चुन लिया गया है। विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद अब अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। भाजपा के विजयी 207 उम्मीदवारों के साथ बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी सहायक पर्यवेक्षक के तौर पर उपस्थित थे। नई सरकार का शपथ ग्रहण आज यानी शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होगा। कोलकाता के न्यू टाउन स्थित विश्वा बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में हुई बैठक में मुख्यमंत्री माझी ने भाजपा के विजयी विधायक के साथ बैठक की। वहां सर्वसम्मति से संसदीय दल के नेता के साथ-साथ मुख्यमंत्री के तौर पर शुभेंदु अधिकारी का नाम तय किया गया। वहीं आज शुभेंदु अधिकारी ने लोकभवन यानी राजभवन जाकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। बंगाल के राजनीतिक गलियारों में पिछले कई दिनों से शुभेंदु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने की चर्चा तेज थी। विधानसभा चुनाव में उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री पद का सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा था। 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने ममता बनर्जी को नंदीग्राम में शिकस्त दी थी। वहीं, इस बार के चुनाव में शुभेंदु ने ममता के गढ़ भवानीपुर में उन्हें चुनौती दी और कामयाबी हासिल की। नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीटों पर मिली कामयाबी ने मुख्यमंत्री पद के लिए शुभेंदु की दावेदारी को और मजबूत कर दिया था। बीजेपी के मंत्रिमंडल में पुराने अनुभवी नेताओं के साथ-साथ उन युवा चेहरों को भी जगह दी जाएगी जिन्होंने जमीनी स्तर पर टीएमसी के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। इसके अलावा बीजेपी की जीत में महिला और दलित कार्ड का अहम रोल था। ऐसे में बंगाल सरकार के मंत्रिमंडल में महिलाओं और अनुसूचित जाति/जनजाति के के नेताओं की बड़ी भागीदारी बीजेपी दे सकती है। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मैं नई सरकार नहीं चलाऊंगा। हम सब मिलकर नई सरकार चलाएंगे। बंगाल के भावी मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बंगाल में भाजपा की इस जीत का श्रेय हर उस भाजपा कार्यकर्ता को दिया, जिसने पार्टी के लिए अथक परिश्रम किया। इसके अलावा, उनकी टिप्पणियों में अमित शाह, समिक भट्टाचार्य और पार्टी की मूल विचारधारा से जुड़े विभिन्न लोगों के योगदान को बार-बार रेखांकित किया गया। उन्होंने कहा, आने वाली विधायी पार्टी, जिसमें पार्टी की विचारधारा से जुड़े लोग शामिल है, हमारे घोषणापत्र में किए गए हर वादे को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करेगी। हमारा मंत्र है सबका साथ, सबका विकास।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सौजन्य मुलाकात की और समसामयिक विषयों पर चर्चा की

केजरीवाल को बरी करने के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई टली, 11 मई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में एक बार फिर सियासी और कानूनी हलचल तेज हो गई है. दिल्ली हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत 22 आरोपियों को ट्रायल कोर्ट से मिली राहत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है. इस बीच केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक द्वारा सुनवाई के बहिष्कार और 'सत्याग्रह' के ऐलान ने मामले को और ज्यादा विवादित बना दिया है. हाईकोर्ट अब इस संवेदनशील मामले पर अगली सुनवाई 11 मई को करेगा.जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कहा कि जो अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक का प्रतिनिधित्व करेंगे उनकी सहमति का कोर्ट इंतजार कर रही है. इसके पहले हाईकोर्ट ने 5 मई को कोर्ट की मदद करने के लिए तीन वकीलों को एमिकस क्यूरी नियुक्त करने का आदेश दिया था. जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कहा था कि इस मामले में अरविंद केजरीवाल , मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने कोर्ट की सुनवाई का बहिष्कार करने का फैसला किया है, ऐसे में तीन एमिकस क्यूरी नियुक्त किए जाएंगे.। इस मामले में अरविंद केजरीवाल , मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने सुनवाई का बहिष्कार करने का फैसला किया है. तीनों ने न तो खुद और न ही किसी वकील के जरिये कोई दलील रखने की बात कही है. तीनों ने हाईकोर्ट को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा पर भरोसा नहीं है इसलिए वे सत्याग्रह करेंगे।

जम्मू कश्मीर में आया भूकंप, लोग घरों से बाहर निकले

जम्मू (आरएनएस)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में शुक्रवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, पर्वतीय जिले में सुबह 9.57 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए. भूकंप का केंद्र सतह से 10 किलोमीटर नीचे, 33.289 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 76.739 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था. भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है. लेकिन भूकंप के झटके महसूस करने के बाद लोग घरों से बाहर आ गए. हालांकि प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

लखीमपुर हिंसा मामलाः ट्रायल में गवाहों को पेश न करने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा और अन्य के खिलाफ चल रहे ट्रायल में गवाहों को पेश न करने पर अपनी नाराजगी जाहिर की।

यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच के सामने सुनवाई के लिए आया. बेंच ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल की गई स्टेटस रिपोर्ट में गवाहों को पेश न करने का कोई कारण नहीं बताया गया है. बेंच ने कहा कि करीब दो महीने से ट्रायल में किसी गवाह से पूछताछ नहीं हुई है।

प्रोफेशनल शूटर हायर किए.. 72 घंटे रेकी की, सुवेंदु अधिकारी के पीए की हत्या को लेकर एसआईटी का खुलासा

कोलकाता (आरएनएस)। उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम में बुधवार रात भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के करीबी और निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस जांच के अनुसार, यह वारदात पेशेवर किलर्स द्वारा अंजाम दी गई, जिन्होंने घटनास्थल की 3 4 दिन पहले से रेकी की थी।मध्यमग्राम के जेस्सोर रोड स्थित दोहड़िया इलाके में बुधवार रात करीब 10:20 बजे रथ अपनी सफेद स्कॉर्पियो SUV में सवार थे। हमलावरों ने एक अन्य कार से उनकी गाड़ी को रोका और मोटरसाइकिलों पर सवार होकर पॉइंट-ब्लैंक रेंज से कई गोलियां चलाईं। रथ के सीने और पेट में तीन गोलियां लगीं, जबकि उनके वाहन में साथ बैठे सहयोगी बुद्धदेव बेरा भी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस और चश्मदीदों के अनुसार, एक कार ने SUV को रोका, जबकि मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने सामने की खिड़की से पिस्टल सटाकर फायर किया।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री पर मुकदमा चलाने में देरी, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नईदिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहने के मामले में मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने में हो रही देरी पर नाराजगी जताई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि शाह के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी पर निर्णय 2 सप्ताह पहले आ जाना चाहिए था। राज्य सरकार से यह मंजूरी विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मांगी थी।

बार एंड बेंच के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एसआईटी ने मामले की जांच शुरू की थी और शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव की सरकार से मंजूरी मांगी थी। सीजेआई ने सुनवाई के दौरान कहा, अब हमारे आदेश का पालन कीजिए। बहुत हो गया। सबसे पहले तो माफी मांगनी चाहिए थी। संज्ञान लेने के बाद ही माफी मांगी गई। 4 सप्ताह बाद इसे सूचीबद्ध कीजिए।

मामले की सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि अभी मंत्री पर मुकदमा चलाने की मंजूरी पर फैसला लंबित है। मेहता ने कहा, उन्होंने जो कहा वह दुर्भाग्यपूर्ण था। संभवत: वह महिला अधिकारी की प्रशंसा करना चाहते थे, लेकिन वह अपने शब्दों को व्यक्त नहीं कर सका। सीजेआई इससे असमत दिखे और बोले, यह दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण था। एक राजनेता के रूप में, वह महिला अधिकारी की प्रशंसा करने का तरीका बखूबी जानते हैं।

जनजातीय मंत्री शाह ने 12 मई को इंदौर के एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कर्नल कुरैशी को लेकर कहा था, जिन्होंने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, वही कटे-पिटे लोगों को, हमने उन्हीं की बहन भेजकर ऐसी की तैसी कराई। उन्होंने कपड़े उतारकर हमारे हिंदुओं को मारा और मोदी जी ने उनकी बहन को उनकी ऐसी की तैसी करने उतारा। मोदी जी कपड़े उतार नहीं सकते थे, इसलिए उनकी समाज की बहन को भेजा था।

प्रेमिका की शादी में गया था तरुण, भाई-दोस्तों ने पीटकर कर दी हत्या, फिल्मी अंदाज में एक्सीडेंट दिखाने की कोशिश

बालाघाट,(आरएनएस)। रामपायली के गर्राबोड़ी के पास मुरझड़ मार्ग पर बुधवार को बाइक के पास मृत अवस्था मे मिले युवक तरुण पिता टोपसिंह लिल्हारे (23) की मौत के मामले में चौंकाने वाला राजफाश हुआ है।

पुलिस की छह विशेष टीम ने 24 घंटे भीतर तरुण की मौत की गुत्थी सुलझा ली है। तरुण की मौत एक्सीडेंट से नहीं, बल्कि उसकी पीट-पीटकर हत्या की गई थी।

एक्सीडेंट दिखाने की हर संभव कोशिश

फिल्मी अंदाज में आरोपितों ने हत्या को एक्सीडेंट दिखाने की हर संभव कोशिश की, लेकिन इस मामले में पुलिस ने कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

आरोपितों में पांच मई को ब्याही उसकी प्रेमिका भी है। प्रेम प्रसंग के चलते हुई हत्या को छिपाने के लिए आरोपितों ने इसे रोड एक्सीडेंट का रूप देने का प्रयास किया था, लेकिन पुलिस की गहन जांच, तकनीकी साक्ष्य, शादी के वीडियो फुटेज और कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने हत्या के सच से पर्दा हटा दिया है।

1.19 लाख स्कूलों में बिजली नहीं, लड़कियों के लिए शौचालय नहीं- नीति आयोग की रिपोर्ट

नईदिल्ली, (आरएनएस)। देशभर के सरकारी स्कूलों की हालत कितनी खराब है, यह खुलासा नीति आयोग की रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, नीति आयोग की सरकारी स्कूल शिक्षा एवं अवसंरचना रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में हजारों स्कूल ऐसे हैं, जहां शिक्षक और प्रयोगशाला तो छोड़िए, बिजली-पानी और शौचालय तक नहीं है। साथ ही, कई राज्यों में कक्षा 5 के बाद छात्रों की पढ़ाई छोड़ना बड़ी समस्या बना हुआ है।

आयोग की भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली शीर्षक नाम की रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यात्मक शौचालय नहीं हैं, जबकि 61,540 स्कूलों में उपयोग योग्य शौचालय नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 साल में स्कूलों में बिजली की उपलब्धता 55 प्रतिशत से बढ़कर 91.9 प्रतिशत हुई है, लेकिन अभी भी 1.19 लाख स्कूलों में बिजली की सुविधा नहीं है। करीब 14,505 स्कूलों में पानी, 59,829 स्कूलों में हाथ धोने की सुविधा नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 1.04 स्कूलों सिर्फ एक शिक्षक हैं। इनमें करीब 89 प्रतिशत स्कूल ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। बिहार में प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पद सबसे अधिक है। बिहार में 2,08,784, झारखंड में 80,341 और मध्य प्रदेश में 47,122 पद रिक्त हैं। अगर कक्षा 5 के बाद स्कूल छोड़ने की बात करें तो पश्चिम बंगाल में 20 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 18.3 प्रतिशत, कर्नाटक में 18.3 प्रतिशत और असम में 17.5 प्रतिशत ड्रॉप-आउट दर है।

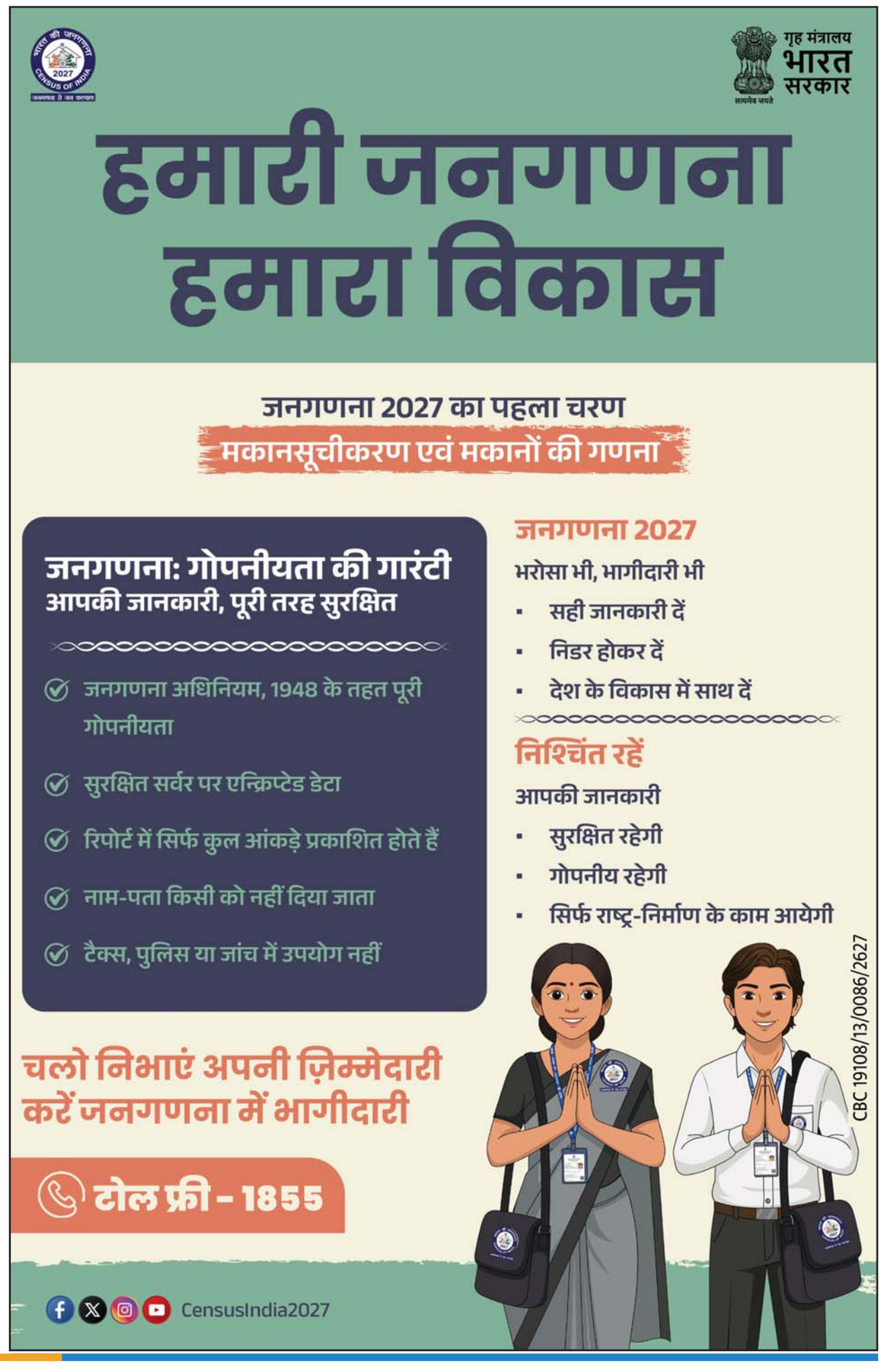

सांस्कृतिक धरोहर भावी पीढ़ियों को समृद्ध अतीत से जोड़ने का सशक्त माध्यम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्राचीन मंदिरों के संरक्षण एवं पुनरुद्धार से सशक्त हो रहा सांस्कृतिक वैभव

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरें भावी पीढ़ियों को

समृद्ध अतीत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। साथ ही हमारे गौरवशाली इतिहास, ज्ञान, कला और सभ्यता की जीवंत प्रतीक हैं।इन धरोहरों का संरक्षण एवं संवर्धन समय की आवश्यकता है, जिससे भावी पीढ़ियाँ भी अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व का अनुभव कर सकें। राज्य सरकार विरासत भी-विकास भी के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के साथ धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन को भी बढ़ावा दे रही है।प्रदेश में प्राचीन मंदिरों एवं ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पुनरुद्धार कार्य निरंतर किया जा रहा है।इन प्रयासों से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है।प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन स्थापत्य कला और ऐतिहासिक धरोहरों के कारण देश में विशिष्ट पहचान रखता है। संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा प्रदेश में बिखरे मंदिर अवशेषों का वैज्ञानिक पद्धति से मूल स्वरूप में पुनर्स्थापन किया जा रहा है। 'पुनर्संरचना' एवं 'एनास्टाइलोसिस' जैसी तकनीकों के माध्यम से धरोहरों की मौलिकता और ऐतिहासिकता को संरक्षित किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण और पुनर्जीवन का महत्वपूर्ण प्रयास है।

भोपाल मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट पर वक्फ बोर्ड में हुई सुनवाई

स्टे पर बहस को लेकर 14 मई को अगली तारीख; दोनों रखेंगे अपना पक्ष

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में कब्रिस्तान के नीचे से मेट्रो के गुजरने को लेकर शुक्रवार को वक्फ बोर्ड में सुनवाई हुई। स्टे पर बहस के लिए 14 मई की तारीख तय की गई है। इसमें मेट्रो प्रबंधन अपना पक्ष रखेगा।बता दें कि मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर वक्फ संपत्तियों पर विवाद अब कानूनी हो गया है। भोपाल टॉकीज स्थित प्राचीन कब्रिस्तान के नीचे प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन और नारियलखेड़ा की वक्फ जमीन पर निर्माण के खिलाफ कमेटी इंतेजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में दो अलग-अलग प्रकरण दायर किए हैं।कमेटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अंसार उल हक और अधिवक्ता इब्राहिम सरवत शरीफ खान पैरवी कर रहे हैं। अधिवक्ता खान ने बताया कि दोनों मामलों में मेट्रो निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है। शुक्रवार को मामले में सुनवाई की गई। जिसमें अगली सुनवाई की तारीख 14 मई निर्धारित की गई है।

अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन पर यह विवाद

पहले प्रकरण में हमीदिया रोड स्थित मासूमा तकिया अम्मनशाह, मस्जिद नूरानी, मुल्लाशाह और अन्य पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तान क्षेत्रों के नीचे से अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन निकालने की योजना पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई गई है। याचिका में कहा गया है कि यह कब्रिस्तान न केवल ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि शहर के सबसे पुराने और बड़े कब्रिस्तानों में शुमार है, जहां हजारों की संख्या में कब्रें मौजूद हैं।

कमेटी का दावा है कि प्रस्तावित मेट्रो लाइन से करीब एक एकड़ क्षेत्र सीधे प्रभावित हो सकता है, जिससे बड़ी संख्या में कब्रों के अस्तित्व और संरचना पर खतरा उत्पन्न होगा। यह भी आरोप लगाया गया है कि मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने अब तक इस क्षेत्र का विस्तृत नक्शा, तकनीकी रिपोर्ट या सुरक्षा आकलन सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे आशंकाएं और बढ़ गई हैं। अधिवक्ता खान का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट और अलग-अलग हाईकोर्ट के कई फैसलों में स्पष्ट किया गया है कि कब्रिस्तान की मूल प्रकृति (नयत) को किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता। उन्होंने दलील दी कि भले ही मेट्रो लाइन को अंडरग्राउंड बताया जा रहा हो, लेकिन कब्रिस्तान के नीचे खुदाई, सुरंग निर्माण और कंपन से वहां मौजूद कब्रों और धार्मिक ढांचों को नुकसान पहुंच सकता है।

नारियलखेड़ा: वक्फ जमीन पर 'बिना अनुमति' निर्माण का आरोप

दूसरा मामला नारियलखेड़ा स्थित वक्फ निशात अफजा (वाके बाग) की जमीन से जुड़ा है, जहां मेट्रो निर्माण कार्य को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। याचिका के अनुसार खसरा नंबर 88 की लगभग 11.93 हेक्टेयर भूमि वक्फ संपत्ति के रूप में विधिवत दर्ज हैं, जिसका पंजीयन वक्फ रजिस्टर में मौजूद है और राजपत्र में भी प्रकाशित किया जा चुका है।कमेटी का दावा है कि इस जमीन का एक हिस्सा उनके प्रबंधन और नियंत्रण में है, बावजूद इसके मेट्रो कंपनी ने बिना अनुमति निर्माण कार्य शुरू कर दिया। वादी पक्ष ने आरोप लगाया है कि करीब 1.40 एकड़ वक्फ भूमि पर गड्ढे खोदकर पिलर निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मौके पर भारी मशीनरी लगाकर सरिया डाला जा रहा है और बड़े पैमाने पर मिट्टी व निर्माण सामग्री का मलबा जमा किया गया है। कमेटी का कहना है कि यह पूरी कार्रवाई न केवल वक्फ संपत्ति पर अतिक्रमण है, बल्कि इससे भूमि की मूल स्थिति को भी नुकसान पहुंच रहा है।याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि मेट्रो कंपनी को कई बार लिखित रूप से नोटिस देकर निर्माण कार्य से संबंधित नक्शा, स्वीकृति और अधिग्रहण की जानकारी मांगी गई, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

अभी तक किसानों को उपार्जित गेहूँ का 10403.17 करोड़ रुपये हुआ भुगतान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गेहूँ उपार्जन की कर रहे सतत मॉनीटरिंग

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन और सतत मॉनीटरिंग तथा उपार्जन केन्द्रों के औचक निरीक्षण के परिणामस्वरूप गेहूँ की उपार्जन प्रक्रिया सुगमता से जारी है। किसानों को समय पर उपार्जित गेहूँ का भुगतान हो रहा है। अभी तक किसानों को 10403.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। गेहूँ का उपार्जन 23 मई तक होगा।

9.38 लाख किसानों से 56.45 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि अभी तक 9 लाख 38 हजार किसानों से 56 लाख 45 हजार मीट्रिक टन गेहूँ की खरीदी की जा चुकी है। उन्होंने बताया है कि तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक तथा देयक जारी करने का समय रात 12 तक कर दिया गया है। गेहूँ का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन सोमवार से शनिवार तक किया जाता है।

प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल कांटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल कांटों की संख्या में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही एनआईसी सर्वर की क्षमता एवं संख्या में वृद्धि कराई गई। खाद्य विभाग द्वारा प्रति घंटा उपार्जन की मॉनीटरिंग की जा रही है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाएं आदि की व्यवस्थाएँ की गई हैं। किसानों के उपज की तौल समय पर हो सके, इस हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ की गई हैं। इसमें बारदाने, तौल कांटे, हम्माल तुलावटी, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, नेट कनेक्शन, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण, उपज की साफ सफाई के लिए पंखा, छन्ना आदि की व्यवस्था की गई है। उपार्जन केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं के फोटोग्राफ्स भारत सरकार के PCSAP पोर्टल पर अपलोड करने की कार्यवाही की जा रही है। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ की भर्ती जूट बारदाने के साथ साथ PP/HDP बेग एवं जूट के एक भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये भण्डारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई, जिससे उपार्जित गेहूँ का सुरक्षित भण्डारण किया जा सके।मैं ट्रॉली में गेहूं लेकर आया था और मात्र 10 मिनट में मेरी ट्रॉली खाली हो गई।

TTE ने बुजुर्ग महिला के मुंह पर मुक्का मारा ऐसी कोच में चढ़ने से नाराज था, तत्काल उतरने कहा; नहीं मानी तो पीट-पीटकर दांत तोड़ दिए

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल में कुशीनगर एक्सप्रेस में 75 साल की बुजुर्ग महिला से टीटीई ने बेरहमी से मारपीट कर दी। आरोपी ने महिला के मुह पर घूंसा मारकर उसके दांत तोड़ दिए। दरअसल, नर्मदापुरम से वह भोपाल की यात्रा करने के लिए स्टेशन पहुंची थी। ट्रेन चलने के लिए तैयार हुई और बुजुर्ग सामने खड़े एसी कोच में चढ़ गई। एसी कोच में चढ़ने से टीसी भड़क गया। बुजुर्ग ने उसे कहा कि वह धीरे धीरे स्लीपर कोच में जा रही है। इस पर वह कहने लगा कि जल्दी निकलो। उन्होंने कहा कि मैं बुजुर्ग हूं और जल्दी जल्दी नहीं चल सकूंगी। इस पर वह भड़क गया और हाथ मोड़कर घूंसा मार दिया। घूंसा लगने से बुजुर्ग महिला का दांत टूट गया। रानी कमलापति स्टेशन पर ट्रेन पहुंचने के बाद बुजुर्ग महिला ने जीआरपी

में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने टीटीई नदीम खान पर मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया। पूरा घटनाक्रम 6 मई का है, जबकि शुक्रवार को आरोपी नदीम की गिरफ्तारी कर ली गई।

तत्काल निर्देश नहीं मानने से भड़का नदीम

जीआरपी रानी कमलापति थाने के प्रभारी एमएस सोमवंशी ने बताया कि सुशीला देवी(75) डी-6 पूर्वी रेलवे कॉलोनी भोपाल में रहती हैं। 6 मई को वह कुशीनगर एक्स से नर्मदापुरम से भोपाल की यात्रा कर रही थी। ट्रेन नर्मदापुरम से चलने को तैयार हो गई। ट्रेन छूटने के डर से सुशीला देवी एसी कोच में चढ़ गई। ट्रेन में सवार टीटीई नदीम खान ने महिला को तत्काल बोगी से उतरने का निर्देश दिया। सुशीला देवी ने कहा कि मेरी उम्र 75 साल है। मैं धीरे धीरे ही चल सकूंगी। यह बात सुनकर नदीम खान भड़क गया। उसने हाथ पकड़कर मोड़ दिया। विरोध करने पर उसने मुंह का घूंसा मारा था। जिससे दांत टूट गया और खून निकलने लगा। कुछ लोगों ने बीच बचाव करते हुए टीटीई से बचाया। बाद में उन्होंने अपने बेटे को घटना की जानकारी दी। बेटा ने जीआरपी को शिकायत की। जीआरपी की टीम सुशीला देवी और टीटीई को लेकर थाने पहुंची। वहां टीटीआई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। महिला का बेटे भी टीटीई है।

नेशनल लोक अदालत आज

जिला एवं सिविल न्यायालय बैरसिया सहित श्रम न्यायालयों में होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

भोपाल (आरएनएस) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 09 मई 2026 को जिला न्यायालय, भोपाल में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला न्यायालय भोपाल एवं सिविल न्यायालय बैरसिया सहित श्रम न्यायालयों में होगा। नेशनल लोक अदालत मे प्रकरणों के निराकरण हेतु कुल 61 खण्डपीठों का गठन किया गया है। जिसका शुभारंभ प्रात: 10:15 बजे किया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय के छात्र आराध्य ने बढ़ाया प्रदेश का मान

अंग्रेजी ओलंपियाड वर्ड पावर के बने राष्ट्रीय विजेता सचिव डॉ. संजय गोयल ने किया सम्मानित

भोपाल (निप्र)। भोपाल के सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा के कक्षा 5वीं के छात्र मास्टर आराध्य पाराशर ने 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' में प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रदेश एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। छात्र आराध्य की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. संजय गोयल तथा राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया है। इस अवसर पर प्रदेश ओलंपियाड प्रभारी डॉ. आर. पी. त्रिपाठी, सांदीपनि विद्यालय गोविंदपुरा की प्राचार्या डॉ. पूनम अवस्थी, शिक्षिका ऋतु सक्सेना एवं आराध्य के अभिभावक उपस्थित रहे। विगत दिनों मुंबई में आयोजित 'वर्ड पावर चैम्पियनशिप' राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य स्तरीय विजेता विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष तीन चरणों में जन शिक्षा केंद्र, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाता है। मध्यप्रदेश में इस प्रतियोगिता का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा किया जाता है। राज्य स्तर पर चयनित विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन आयोजक संस्था 'लीप फॉर वर्ड' द्वारा मेरिको एवं निहार शांति पाठशाला के सहयोग से किया जाता है।

भोपाल में कैटरिंग गोदाम में आग...

18 सिलेंडर रखे थे: आग लगते ही सिलेंडर बाहर फेंके; पास में पेट्रोल पंप, बड़ा हादसा टला

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के करोंद क्षेत्र में शुक्रवार को बड़ा हादसा टल गया। रहवासी इलाके में स्थित कैटरिंग गोदाम में अचानक आग लग गई।

यहीं पर 22 कमर्शियल गैस सिलेंडर रखे थे। जिन्हें तुरंत बाहर फेंका गया, वरना सिलेंडर में ब्लास्ट हो सकता था।घटना शाम करीब 5 बजे की है। निशातपुरा करोंद स्थित हैप्पी इंडेन गोडाउन के पास एक कैटरिंग गोदाम है। जहां पर लकड़ी और गद्दे में अचानक आग लग गई। गोदाम के अंदर से धुआं निकलते देख राहगीर पंकज यादव तुरंत अंदर पहुंचे।नगर निगम में फायर फाइटर पंकज ने कैटरिंग के सामान के साथ अंदर रखे खाली-भरे 22 सिलेंडरों को रहवासियों की मदद से बाहर फिंकवाना शुरू किया। ताकि, सिलेंडर तक आग न पहुंच सके। आगजनी की जानकारी लगते ही गांधी नगर और छोटा फायर स्टेशन से दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। जिस गोडाउन में आग लगी, उससे करीब 100 मीटर की दूरी पर ही पेट्रोल पंप भी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि सिलेंडरों में ब्लास्ट होता तो आग की लपटें पंप तक भी पहुंच सकती थी, लेकिन फायर फाइटर पंकज की सुझ-बुझ की वजह से समय रहते सिलेंडरों को गोदाम से बाहर निकाल लिया गया ।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड से कोई भी वरिष्ठ नागरिक न रहे वंचित : संभागायुक्त

भोपाल (आरएनएस)। संभागायुक्त संजीव सिंह ने शुक्रवार को आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में भोपाल संभाग के जिलों में गेहूं उपार्जन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चन्द्रभान सिंह जादौन से जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि गेहूं उपार्जन कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाए और उपार्जन केन्द्रों पर किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रहें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सभी उपार्जन केन्द्रों पर किसानों की स्लॉट बुकिंग, परिवहन व्यवस्था, पर्याप्त बारदाना उपलब्धता तथा निर्धारित समय-सीमा में भुगतान सुनिश्चित किया जाए। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक चन्द्रभान सिंह जादौन ने बताया कि भोपाल संभाग के 04 लाख 37 हजार 381 किसानों ने गेहूं खरीदी के लिए पंजीयन कराया था जिसमें अभी तक 3 लाख 52 हजार 809 किसानों ने स्लॉट बुक कराएं हैं। संभाग के सभी जिलों में उपार्जन केन्द्रों पर 02 लाख 40 हजार 509 किसानों से 15 लाख 94 हजार 094 मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है?। साथ ही 02 हजार 354 करोड़ रूपये का भुगतान भी किया जा चुका हैं और 14 लाख 61 हजार 715 मीट्रिक टन गेहूं का परिवहन भी किया जा चुका है। बैठक में संभागायुक्त ने सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को इनके शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। संभागायुक्त श्री सिंह ने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के पंजीयन पोषण ट्रेकर पोर्टल पर दर्ज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने नवीन आंगनबाड़ी भवनों को पीएम गति शक्ति अंतर्गत नजदीकी स्कूलों एवं को-लोकेशन के आधार पर बनाने एवं निर्माण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि बरसात के पूर्व स्कूलों में पेयजल, बालिका शौचालय का निर्माण एवं मरम्मत का कार्य पूर्ण करें। संभाग के सभी जिलों में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत स्वीकृत 01.88 लाख आवास का कार्य समय सीमा में सुनिश्चित किया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि आयुष्मान वय वंदना कार्ड (Ayushman Vay Vandana Card) 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य योजना है, जो आय की परवाह किए बिना प्रति वर्ष 5 लाख तक का मुफ्त, कैशलेस इलाज प्रदान करती है। संभाग के सभी जिलों में सभी पात्र वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्वास्थ्य एवं नगरीय निकाय अभियान चलाएं।

सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडर होंगे सम्मानित

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। सरकार पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र

स्थापित करने का कार्य प्रतिबद्धतापूर्वक कर रही है।प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम अमनबीर सिंह बैंस ने बताया है कि निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सौर संयंत्र स्थापना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वेंडरों को सम्मानित किया जाएगा। एमडी श्री बैंस ने कहा कि जो वेंडर अपना कार्य ठीक प्रकार से नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।एमडी श्री बैंस ने विगत दिनों भोपाल मुख्यालय में प्रगति की समीक्षा कर सभी वेंडर्स कार्य में आने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि कार्य क्षेत्र में आने वाली सभी समस्याओं का समय रहते समाधान किया जाएगा जिससे कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में हासिल किया जा सके। एमडी श्री बैंस ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में एक लाख 21 हजार 392 घरों पर सौर संयंत्र स्थापित कर दिए गए हैं। सोलर सिस्टम स्थापित करने के लिए 847.13 करोड रुपए का अनुदान केंद्र सरकार द्वारा दिया गया है।

समझ, संबंध और सुविधा से ही बनेगा मानवीय समाजः श्री आर्य

राज्य आनंद संस्थान की आनंद सभा में मानवीय मूल्यों पर मंथन, शिक्षकों से सेतु बनने का आहवान

भोपाल (निप्र)। राज्य आनंद संस्थान में आयोजित आनंद सभा के दौरान संस्थान के डायरेक्टर सत्यप्रकाश आर्य ने कहा कि जीवन में केवल सुविधाएँ पर्याप्त नहीं हैं। समझ, संबंध और सुविधा ये तीनों मिलकर ही एक मानवीय समाज का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि समझ और संबंध ही मानवीय मूल्यों की वास्तविक आधारशिला हैं।

श्री आर्य ने प्रतिभागियों को आत्मीयता, विश्वास और मानवीय व्यवहार के महत्व से परिचित कराया। उन्होंने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए सभी से संवेदनशील भूमिका निभाने का आह्वान किया। लोक शिक्षण संचालनालय के संयुक्त संचालक एच.एन. नेमा ने कहा कि पहले शिक्षक विद्यार्थियों और अभिभावकों से आत्मीय संवाद बनाए रखते थे, जिससे समाज में विश्वास का वातावरण बनता था। उन्होंने आत्म-अवलोकन पर जोर देते हुए शिक्षकों से आग्रह किया कि वे केवल औपचारिक नौकरी तक सीमित न रहें, बल्कि समाज में सेतु की भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में लोक शिक्षण संचालनालय के उप संचालक शंकर खत्री ने भी अपने विचार व्यक्त किए। आनंद सभा में उपस्थित शिक्षकों और प्रतिभागियों ने मानवीय मूल्यों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

इंदौर के डायल 112 हीरोज

संवेदनशीलता और तत्परता से भटके बालक को सुरक्षित परिजनों से मिलाया

इंदौर (आरएनएस)। जिले के थाना किशनगंज क्षेत्र में डायल-112 जवानों की सजगता और संवेदनशील कार्यवाही से घर का रास्ता भटक गए 11 वर्षीय बालक को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया गया। समय पर की गई इस कार्रवाई से बालक को सुरक्षित संरक्षण मिला और परिजनों की चिंता दूर हो सकी। 07 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना किशनगंज क्षेत्र अंतर्गत रॉयल रेसीडेंसी के पास एक 11 वर्षीय बालक अकेला मिला है, जो घर का रास्ता भटक गया है। पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही किशनगंज थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। डायल-112 स्टॉफ उप निरीक्षक श्रीमती कृष्णा, आरक्षक सुनील एवं पायलट राजेंद्र ठाकुर ने मौके पर पहुंचकर बालक को अपने संरक्षण में लिया। बालक घबराया हुआ था और अपने परिजनों के संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रहा था।डायल-112 जवानों ने बालक को एफआरव्ही वाहन से साथ लेकर आसपास के क्षेत्र में पूछताछ तथा उसके परिजनों की तलाश की। लगातार प्रयासों के बाद बालक के परिजनों की जानकारी प्राप्त हुई, जिसके बाद टीम बालक को लेकर उनके पास पहुँची। पहचान एवं सत्यापन उपरांत बालक को सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द किया गया। अपने बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने डायल-112 सेवा और पुलिस जवानों का आभार व्यक्त किया। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा बच्चों की सुरक्षा और सहायता के लिए हर समय संवेदनशीलता, धैर्य और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

भेदभाव के बिना सेवा भाव रखना ही रेड क्रॉस इकाई का प्रमुख उद्देश्य : डॉ ओमप्रकाश दुबे

देवरी/सागर (ए.)। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवरी में 2 से 8 मई तक चल विश्व रेड क्रॉस स्थापना दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रम की श्रृंखला का समापन 8 मई को महाविद्यालय परिसर में सेवा भावी और उत्कृष्ट युवा वॉलिंटियरों को सर्टिफिकेट वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर ओमप्रकाश दुबे जी ने कहा कि बिना भेदभाव के सेवा भाव छात्राओं के मन में उत्पन्न करना ही रेड क्रॉस इकाई का प्रमुख उद्देश्य है इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी डॉक्टर संतोष मिश्रा ने कहा कि साप्ताहिक गतिविधियों में छात्रों ने सेवाभाव से कार्य किया और आगे भी वैसे ही सेवा भाव के माध्यम से मानव सेवा करते रहे यह भी रेड क्रॉस इकाई का एक लक्ष्य है, कार्यक्रम को डॉक्टर जी.आर. चौहान ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार से प्रूव ग्रंथपाल अशोक नेमा, डॉक्टर कलाम सिंह डुडवे, डॉ भगवत पटेल, डॉ अमनिका पाठक,डॉ मनीषा पांडे और छात्र इकाई उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प से शिप्रा के पवित्र जल से संत और श्रद्धालु करेंगे सिंहस्थ में स्नान

संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने नियमित निरीक्षण के तहत

उज्जैन, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संकल्पना से सिंहस्थ महापर्व पर शिप्रा नदी में शिप्रा के साफ-स्वच्छ जल से स्नान होगा। शुक्रवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कान्ह डायवर्शन क्लोज डक्ट परियोजना और जीवन खेड़ी से सिकंदरी तक सीमेंट कांक्रीट मार्ग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व के लिए कान्ह डायवर्शन योजना महत्वपूर्ण है। इस योजना को समय सीमा में करने के लिए रात और दिन कार्य कर पूर्ण किया जाए। संभागायुक्त श्री सिंह ने जीवन खेड़ी से सिकंदरी तक निर्माणाधीन सीमेंट कांक्रीट मार्ग निर्माण के दौरान बड़े आकार के पौधे मार्ग के दोनों ओर लगाने के निर्देश दिए, जिससे मार्ग का कार्य पूर्ण होने के बाद पूरा मार्ग ग्रीन होकर सुंदर लगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प से विश्व स्तरीय अलौकिक सिंहस्थ 2028 महापर्व के दौरान साधु-संत और विश्व भर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालु निर्मल साफ स्वच्छ मोक्षदायिनी मां शिप्रा के जल से स्नान करेंगे। कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना का मुख्य उद्देश्य कान्ह नदी के दूषित जल को उज्जैन शहर में शिप्रा नदी में मिलने से रोकना है, जिससे कि शिप्रा नदी का जल पवित्र बना रहे। शुक्रवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों का नियमित निरीक्षण किया। इस दौरान संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने सिंहस्थ के लिए महत्वपूर्ण कान्ह डायवर्सन क्लोज डक्ट परियोजना के निर्माण कार्य स्थल गंगेड़ी पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। संभागायुक्त श्री सिंह ने सात दिन में की गई कार्य प्रगति की जानकारी ली। मौके पर मौजूद इंजीनियरों ने जानकारी दी कि सात दिवस (एक सप्ताह) के दौरान 34 मीटर क्षेत्र में तीन क्रेन के माध्यम से भूमिगत टनल में कार्य किया गया है। परियोजना में करीब 1.6 किलोमीटर क्षेत्र तक कार्य जून महीने तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।क्रेन से प्री-कास्ट सेगमेंटस टनल में उतारने के कार्य का जायजा लिया ग्राम गंगेड़ी में कान्ह डायवर्सन परियोजना के तहत निर्माणाधीन टनल में क्रेन की सहायता से यूएनसी सिगमेंट डालने के कार्य का अवलोकन संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने किया। मौके पर जानकारी दी गई कि कट एंड कवर भाग में कुल 18.15 कि.मी. लम्बाई में से 4.50 कि.मी. लम्बाई में प्री-कास्ट सेगमेंट्स का लेईंग कार्य पूर्ण होकर शेष कार्य प्रगतिरत है।

इंदौर में चलती बाइक बनी आग का गोला, कुछ ही मिनटों में जलकर हुई खाक

इंदौर (ए.)। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के व्यस्त एलआईजी स्क्वेयर चौराहे पर शुक्रवार दोपहर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब चलती बाइक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते बाइक आग का गोला बन गई और कुछ ही मिनटों में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। फायर ब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार दोपहर करीब 3:15 बजे बाइक में आग लगने की सूचना कंट्रोल रूम को मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पानी डालकर आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लेने से बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह बाइक के इंजन के पास हुआ शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

कांचघर रोड पर कचरा गाड़ी कीचड़ में धंसी

- रेलवे कोचिंग डिपो के सामने लगा लंबा जाम

जबलपुर (ए.)। अमृत परियोजना-2 के तहत पाईप लाईन बिछाने के लिए खोदी गई रेलवे पुल नंबर 1 से कांचघर की सड़क पूरी तरह मिट चुकी है। सड़क नाम की चीज नहीं बची है। इस मार्ग में लगातार जाम के हालात बन रहे है। इसी मार्ग में स्थित रेलवे के कोचिंग डिपो के सामने लगाए गए मिट्टी के ढेर से कीचड़ मच रहा है। शुक्रवार की दोपहर मिट्टी में एक कचरा वाहन फंसने से काफी लंबा जाम लग गया, जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई।

बताया गया है कि पिछले दो महिने से अधिक समय से यहां कछुआ गति से पाईप लाईन डालने का काम चल रहा है। लेकिन रोड सुधारने की सुध किसी को नहीं आ रही है। पाईप लाईन की वजह से खोदी गई सड़क चलने के लिए बमुश्किल 5 से 6 फुट बची ह। बाकी सड़क पर कीचड मिट्टी पड़ी ह। मौसम की खराबी के कारण बारिश होने पर कीचड़ मच जाता हैं। इस मार्ग पर शुक्रवार को दोपहर 12 बजे के लगभग कोचिंग डिपो के सामने कचरे वाली गाड़ी के दो पहिए कीचड़ में फंस गए, जिससे जाम लग गया। 1 घंटे तक लोग जाम में फंसे रहे, बाद में दूसरी अन्य कचरा गाड़ी से टोचन करके फंसे वाहन को निकाला गया इस मार्ग पर पहले भी दो वाहन धंस चुके है। इसके बावजूद मार्ग सुधार की रोड ठेकेदार या नगरनिगम द्वारा कारगार कदम नहीं उठाए जा रहे है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही हैं.

छतरपुर फोरलेन पर भीषण हादसा, सांसद प्रतिनिधि लिखी स्कॉर्पियो ने टैक्सी को मारी टक्कर, एक युवक की मौत

छतरपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के ओरछा रोड थाना क्षेत्र के अंतर्गत फोरलेन सड़क पर शुक्रवार को एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे खड़े टैक्सी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि टैक्सी में लदी दो बकरियों की भी जान चली गई और कई अन्य घायल हो गईं।जानकारी के अनुसार, कैंडी गांव से बकरियां लादकर एक वाहन महोबा की ओर जा रहा था। जब चालक मोहम्मद सलमान ने वाहन को सड़क किनारे खड़ा किया, तभी काले रंग की तेज रफ्तार स्कॉर्पियो (MP 16 ZE 4411) ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के प्रभाव से टैक्सी वाहन सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसे में वाहन सवार शाहबाज अली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सूबे खटीक और दद्दू खटीक को गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे का शिकार हुई स्कॉर्पियो को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गाड़ी पर सांसद प्रतिनिधि की नेम प्लेट लगी हुई थी। मौके पर मौजूद लोगों का यह भी आरोप है कि वाहन को एक नाबालिग चला रहा था, जो कथित तौर पर कांटी गांव के एक प्रभावशाली व्यक्ति का पुत्र है। हालांकि, हादसे के तुरंत बाद स्कॉर्पियो सवार लोग दूसरी गाड़ी में बैठकर मौके से फरार हो गए।पुलिस ने स्कॉर्पियो को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

व्यापार समाचार

ईरान युद्ध का भारी साइड इफेक्ट, खान से सोना निकालना हुआ महंगा; आसमान छूती महंगाई के बीच क्या और तपेगा गोल्ड?

जोहान्सबर्ग (आरएनएस)। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे भयंकर युद्ध का असर अब केवल कच्चे तेल के बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने सोने की चमक को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। दक्षिण अफ्रीका की प्रमुख गोल्ड माइनिंग कंपनी 'गोल्ड फील्ड्स' ने गुरुवार को बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण खदानों से पीली धातु निकालने की लागत में भारी इजाफा हो रहा है। युद्ध के चलते माइनिंग में इस्तेमाल होने वाले ईंधन और विस्फोटकों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिससे इस दिग्गज अफ्रीकी कंपनी का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है।

कच्चे तेल की कीमतों का माइनिंग पर सीधा प्रहार

कंपनी ने अपनी हालिया तिमाही अपडेट में इस संकट को लेकर चिंता जताई है। गोल्ड फील्ड्स के मुताबिक, अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास भी बनी रहती है, तो पोर्टफोलियो स्तर पर माइनिंग की लागत में 40 से 50 डॉलर प्रति औंस तक का भारी इजाफा हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ घाना, ऑस्ट्रेलिया, चिली और पेरू में कारोबार करने वाली इस कंपनी का कहना है कि उनकी लागत में सबसे बड़ी बढ़ोतरी डीजल के मोर्चे पर हुई है, जिसके दाम 70 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। इसके अलावा माल ढुलाई की लागत में 40 प्रतिशत और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (स्ह्रत्त) की कीमतों में 30 प्रतिशत का तगड़ा उछाल आया है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया जैसी दूरदराज की साइट्स पर ऊर्जा के लिए एलएनजी का ही सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

विस्फोटकों से लेकर साइनाइड तक, हर चीज हुई महंगी

माइनिंग के लिए जरूरी रसायन भी महंगाई की इस मार से अछूते नहीं हैं। सोने की प्रोसेसिंग में इस्तेमाल होने वाले महत्वपूर्ण रसायन साइनाइड और खदानों के लिए जरूरी विस्फोटकों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गौरतलब है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले के बाद मिडिल ईस्ट में यह युद्ध शुरू हुआ था। इसके जवाब में ईरान ने ऊर्जा व्यापार के सबसे अहम मार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' को बंद कर दिया था, जिससे अप्रैल के अंत तक कच्चे तेल के दाम 126 डॉलर प्रति बैरल के खतरनाक स्तर पर पहुंच गए थे। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शांति समझौते के संकेत दिए जाने के बाद तेल अब 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गया है, लेकिन संकट और खौफ अभी टला नहीं है।

तमाम चुनौतियों के बावजूद उत्पादन में शानदार उछाल

लागत बढ़ने के बावजूद गोल्ड फील्ड्स के उत्पादन के आंकड़े राहत देने वाले हैं। कंपनी ने साल 2026 की पहली तिमाही में 6.33 लाख औंस सोने का शानदार उत्पादन किया है, जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 15 प्रतिशत ज्यादा है। इस सफलता का बड़ा श्रेय चिली की सालारेस नॉर्टे खदान को जाता है, जिसने अन्य खदानों में हुए कम उत्पादन की भरपाई कर दी। इसके साथ ही, सोने की कीमतों में भी भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। जनवरी के अंत में जो सोना 5,595 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर था, वह अब 4,744 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है। कंपनी को पूरी उम्मीद है कि वह 2026 में 24 लाख से 26 लाख औंस सोने का कुल उत्पादन करने में सफल रहेगी। लागत को नियंत्रित रखने के लिए कंपनी अपनी खदानों में अधिक ईंधन-कुशल और उच्च क्षमता वाले ढुलाई सिस्टम अपना रही है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई (ए.)। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की गिरावट के साथ ही 94.41 पर बंद हुआ। आज शुरुआती कारोबार में रुपया 45 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.67 पर पहुंच गया। अमेरिका और ईरान की सेनाओं के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के पास गोलीबारी की खबरों के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 101.00 डॉलर प्रति बैरल होने से भी घरेलू मुद्रा दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि इससे निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.58 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में टूटकर 94.67 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 45 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई करते हुए 27 पैसे की बढ़त के साथ 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इंस्टाग्राम का बड़ा एक्शन : लाखों फर्जी अकाउंट हटाए, कई बड़े सेलेब्स के घटे फॉलोअर्स

नई दिल्ली (आरएनएस)। सोशल मीडिया की दुनिया में इंस्टाग्राम को सबसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म में से एक माना जाता है, जहां लोग अपने फोटो, वीडियो और रील्स के जरिए लाखों लोगों तक पहुंच बनाते हैं। लेकिन जैसे-जैसे इसकी लोकप्रियता बढ़ी है, वैसे-वैसे फर्जी अकाउंट और बॉट्स की समस्या भी बढ़ती गई है। इसी समस्या को खत्म करने के लिए इंस्टाग्राम ने साल 2026 में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने बड़े पैमाने पर एक सफाई अभियान चलाया, जिसमें लाखों ऐसे अकाउंट हटाए गए, जो या तो लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हो रहे थे या फिर पूरी तरह से फर्जी और ऑटोमेटेड थे।

इस कार्रवाई के बाद कई बड़े सेलिब्रिटी, इन्फ्लुएंसर और ब्रांड्स के फॉलोअर्स की संख्या में अचानक गिरावट देखने को मिली, जिससे सोशल मीडिया पर हलचल मच गई।

इस सफाई अभियान का सबसे बड़ा असर अमेरिकी इन्फ्लुएंसर और एंटरप्रेन्योर काइली जेनर पर पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके इंस्टाग्राम अकाउंट से करीब 14 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स कम हो गए। यह गिरावट इतनी बड़ी थी कि सोशल मीडिया यूजर्स भी हैरान रह गए। सिर्फ काइली जेनर ही नहीं बल्कि कई अन्य बड़े क्रिएटर्स और पब्लिक फिगर्स के फॉलोअर्स भी अचानक कम हो गए।

इंस्टाग्राम के इस बड़े एक्शन का मुख्य उद्देश्य प्लेटफॉर्म पर ऑथेंटिसिटी को बेहतर बनाना है। आज के समय में कई लोग बॉट (ऑटोमेटेड अकाउंट्स) का इस्तेमाल करते हैं, जिनसे वे फॉलोअर्स, लाइक्स और कमेंट्स को आर्टिफिशियल तरीके से बढ़ा लेते हैं। लेकिन इंस्टाग्राम चाहता है कि प्लेटफॉर्म पर जो भी एंगेजमेंट आए, वह असली यूजर्स से आए, इसलिए इस तरह के फर्जी अकाउंट्स को हटाने का बड़ा एक्शन लिया गया।

मेटा कंपनी के स्पोक्सपर्सन ने कहा कि ये कार्रवाई इंस्टाग्राम के नियमित सिस्टम का हिस्सा है, जिसके तहत समय-समय पर इनएक्टिव और संदिग्ध अकाउंट हटाए जाते हैं। इससे एक्टिव यूजर्स पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर किसी वेरिफाइड अकाउंट को गलती से सस्पेंड किया गया हो, तो वह बाद में वापस बहाल हो जाता है। उसके फॉलोअर संख्या को फिर से अपडेट कर दिया जाता है। यह खबर सामने आने के बाद लोग सोशल मीडिया पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे है।

सोना 800 रुपए महंगा, चांदी भी 3,300 रुपए उछली

- सोना 1,53,100 के पार, चांदी

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी की कीमतों में शुक्रवार के कारोबार में जोरदार तेजी दर्ज की गई। बाजार खुलते ही चांदी के भाव 3,300 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गए, जबकि सोने की कीमत में भी 800 रुपये से अधिक की वृद्धि देखने को मिली, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। एमसीएक्स पर 3 जुलाई डिलीवरी वाली चांदी ने मजबूत शुरुआत की। पिछले सत्र में 2,58,540 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद होने के बाद, यह आज 2,59,999 रुपये पर खुली और शुरुआती कारोबार में 3,271 रुपये की तेजी के साथ 2,61,811 रुपये तक पहुंच गई। सुबह शुरुआत में यह 2,523 रुपये की बढ़त के साथ 2,61,063 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। इसी तरह 5 जून की डिलीवरी वाले सोने की कीमतों में भी उछाल आया। पिछले सत्र में 1,52,261 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद होने के बाद, यह 1,52,672 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 842 रुपये की तेजी के साथ 1,53,103 रुपये तक पहुंचा। सुबह शुरुआत में 576 रुपये की बढ़त के साथ 1,52,837 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। हाजिर बाजार का मिलाजुला रुख- हालांकि, हाजिर सर्राफा बाजार में सोने की चाल एमसीएक्स के विपरीत रही। 24 कैरेट सोना 320 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,680 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

फुल टंकी में 800 किमी का माइलेज देने वाली प्लेटिना खरीदें या भरोसेमंद स्पेल्डर पल्स ? यहां दूर करें हर कन्फ्यूजन

नई दिल्ली (आरएनएस)। अगर आपका रोजाना का सफर लंबा है और आप हर दिन पेट्रोल पंप पर होने वाले खर्च से परेशान हैं, तो एक बेहतरीन माइलेज वाली बाइक ही सबसे सही समाधान है। भारतीय बाजार में जब भी कम बजट, आसान रखरखाव और शानदार माइलेज वाली कम्यूटर (रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली) बाइक्स की बात होती है, तो हीरो स्प्लेंडर प्लस (Hero Splendor Plus) और बजाज प्लेटिना 100 (Bajaj Platina v®®) का नाम सबसे ऊपर आता है। खासतौर पर ऑफिस जाने वालों, डिलीवरी बॉयज और छोटे व्यापारियों के लिए ये दोनों गाड़ियां पहली पसंद मानी जाती हैं। लेकिन इन दोनों दिग्गजों में से आपके लिए कौन सी बाइक 'पैसा वसूल' साबित होगी? आइए आपकी यह उलझन दूर करते हैं।

अगर आपका बजट थोड़ा टाइट है, तो कीमत के मामले में बजाज प्लेटिना 100 बाजी मार ले जाती है। प्लेटिना 100 की एक्स-शोरूम कीमत करीब 68 हजार रुपये से शुरू होती है।

वहीं, देश की सबसे भरोसेमंद और मजबूत मानी जाने वाली हीरो स्प्लेंडर प्लस के लिए आपको अपनी जेब थोड़ी ज्यादा ढीली करनी पड़ेगी। स्प्लेंडर प्लस की एक्स-शोरूम कीमत लगभग 76 हजार रुपये है। यानी दोनों बाइक्स के बीच सीधा 8 हजार रुपये का बड़ा अंतर देखने को मिलता है। ऐसे में कम बजट वाले ग्राहकों के लिए प्लेटिना एक शानदार और किफायती विकल्प बनकर उभरती है।

शेयर बाजार में जोरदार रिकवरी, निवेशकों पर हुई 2 लाख करोड़ की बारिश

मुंबई (आरएनएस)। अमेरिका-ईरान सीजफायर की उम्मीदों के बीच गुरुवार के कारोबारी सत्र में दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद भारतीय शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सपाट बंद हुए। दोनों प्रमुख सूचकांक सत्र की शुरुआत में ऊपर चढ़े थे, लेकिन बाद में फिसलकर अपने पिछले बंद भाव के करीब आ गए।

बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 114 अंक यानी 0.15 प्रतिशत फिसलकर 77,844.52 पर पहुंच गया, तो वहीं एनएसई निफ्टी50 4.30 अंक (0.02 प्रतिशत) गिरकर 24,326.65 पर पहुंच गया। दिन के दौरान, सेंसेक्स 78,339.24 पर खुलकर 78,384.70 का इंट्रा-डे हाई तो 77,713.21 का लो बनाया। वहीं निफ्टी 24,398.50 पर खुलकर 24,482.10 का इंट्रा-डे हाई और 24,284 का लो बनाया। व्यापक बाजारों ने प्रमुख बेंचमार्कों से बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1.10 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील

वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में बॉयलर फटने से कम-से-कम 14 मजदूर मारे गए और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी।भारत सरकार की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस नीति किस तरह मजदूरों के लिए ईज ऑफ डाइंग की दुर्भाग्यपूर्ण सूरत में तब्दील हो गई है, उसकी एक ताजा मिसाल छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में हुआ हादसा है। सिंघीतराई में स्थित वेदांता कंपनी के बिजली संयंत्र में मंगलवार को बॉयलर फटने से कम-से-कम 14 मजदूरों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। अनुमान लगाया जा सकता है कि ये खबर मीडिया में महज एक दिन की सुर्खी बन कर रह जाएगी। ना तो नीति-निर्माता, ना मीडिया कर्मी और ना ही सामाजिक कार्यकर्ता ये सवाल उठाने की जरूरत महसूस करेंगे कि आखिर ऐसी औद्योगिक दुर्घटनाओं की संख्या हाल के वर्षों में क्यों बढ़ती चली गई है ?सिर्फ 2026 पर नज़र डालें, तो अब तक कारखानों में कम-से-कम ऐसे सात बड़े हादसे हुए हैं, जिनमें मजदूरों की जान गई है। ये दुर्घटनाएं छत्तीसगढ़ से लेकर मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, महाराष्ट्र, और आंध्र प्रदेश तक में हुईं। बीते हफ्ते तेलंगाना में एक रासायनिक कारखाने में भीषण विस्फोट हुआ, हालांकि उसमें किसी जान नहीं गई। हलकी आग, छत गिरने या गैस लीक होने जैसी ऐसी घटनाओं की सूची तो लंबी है, जिनमें हताहत होने वाले मजदूरों की संख्या सीमित रहती है। सिर्फ छत्तीसगढ़ में 2024 से 2026 में अब तक औद्योगिक हादसों में 296 मजदूरों की जान गई है। एक अध्ययन के मुताबिक देश में हर रोज औसतन तीन श्रमिकों की जान औद्योगिक हादसों में जाती है। इनमें से ज्यादातर मामलों को मामूली मुआवजा देकर निपटा दिया जाता है। मगर हादसों की जड़ में जाने और उसके लिए प्रबंधन को जवाबदेह बनाने की चर्चा शायद ही कभी सुनने को मिलती हो। कानून की किताब में ऐसे प्रावधान हों भी, तो ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जमाने पर उन्हें गंभीरता से लेने का चलन नहीं रहा। स्पष्टत: कारोबार में ये आसानी श्रमिकों की कीमत पर है। अत: याद रखना चाहिए कि ऐसी कारोबारी आसानी से निवेशकों को मुनाफा बढ़ाने में भले आसानी होती हो, उससे फूलता- फलता उपभोक्ता बाजार तैयार नहीं हो सकता। ना ही ये कारोबारी संस्कृति आम खुशहाली का आधार बन सकती है।

सोमनाथ: भारत की अजेय आत्मा का प्रतीक!

नरेंद्र मोदी

जय सोमनाथ ! वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

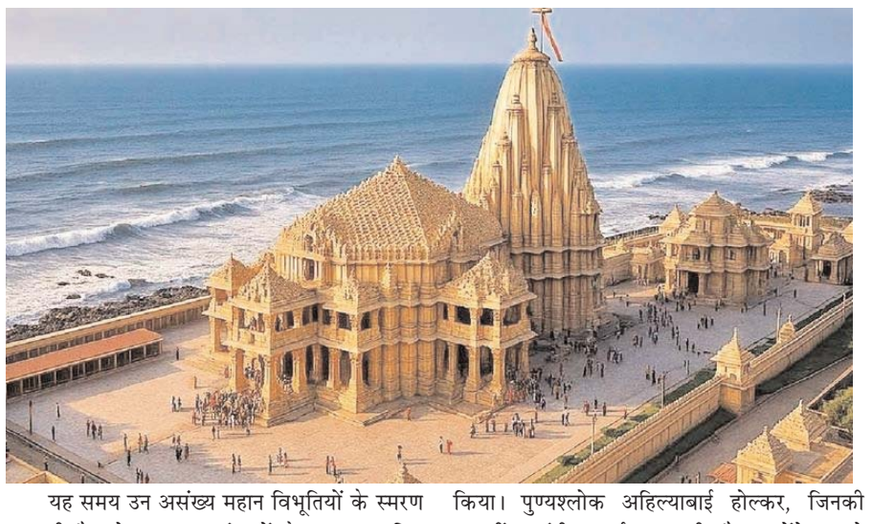

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है।

1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी- सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी।

कविता,

संजीव-नी।

झिझकता रहता हूं मुस्कुराने से ।
छलक ना जाए गम इसी बहाने से
यूं ही झिझकता रहता मुस्कुराने से ।

रोज हिचकियां बहुत आती होगी
मैं कर रहा हूं याद इक जमाने से।

दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं आज
जिसे परहेज न हो हमें गले लगाने से।

यहां पर मिलते हैं कद्र-दान बहुतेरे
टूटा दिल कहां जाए इस मयखाने से।

उसने कब समझा मेरे जज्बातों को
कब से लगा है वो मुझे आजमाने में।

हवा का रुख बदला हुआ है शहर में
पसीने से तर हूं अपना वजूद बचाने में।

तरक्की से परेशान है लोग दूसरों की
संजीव जमाने से लगा हूं पैर जमाने में।

संजीव ठाकुर, रायपुर छत्तीसगढ़,

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत एक निर्णायक एवं ज़िम्मेदार शक्ति के रूप में उभरा

एयर वाइस मार्शल (डॉ.) अर्जुन सुब्रमण्यम
(सेवानिवृत्त)

यूक्रेन में जारी युद्ध के खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिखने और मध्य-पूर्व के न युद्ध, न शांति के दलदल में फंसे होने के बावजूद, हाल के समय के दूसरे संघर्षों के मुकाबले ऑपरेशन सिंदूर को एक मानक अभियान के तौर पर देखना महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर की सबसे खास बातें थीं— सैन्य ताकत का तीव्र और नियंत्रित तरीके से निर्णायक इस्तेमाल, ताकि प्रबंधन करने योग्य संघर्ष-विस्तार में रहते हुए ऐसे रणनीतिक नतीजे हासिल किए जा सकें, जिनकी बाहर निकलने की रणनीति स्पष्ट हो और जो मोदी सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हों। इस संघर्ष की शुरुआत का उद्देश्य था - पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवादी नेटवर्क के गढ़ पर सीधा हमला करना और अगर पाकिस्तान की सेना भारत के शुरुआती आतंकवाद-रोधी हमले का सैन्य जवाब देती है, तो उसे भारी नुकसान पहुंचाना। ये ऐसे बड़े लक्ष्य नहीं थे, जिनके लिए बहुत बड़े पैमाने पर और हर तरफ सैन्य ताकत के इस्तेमाल की ज़रूरत पड़ती। यह एक ज़िम्मेदार ताकत द्वारा, राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के बार-बार दोहराए जाने वाले कृत्यों को सज़ा देने के लिए चलाया गया एक सटीक, सक्रिय और संयमित प्रतिरोधी अभियान था।

हालांकि भारत ने 2019 में बालाकोट में आतंकवाद-रोधी अभियानों में आक्रामक हवाई शक्ति के इस्तेमाल का प्रयोग किया था, लेकिन इस बार जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों पर—जो क्रमश: बहावलपुर और मुरीदके में स्थित हैं—हमला करने की उसकी तत्परता ने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति के लिए जोखिम उठाने की एक नई प्रवृत्ति और संघर्ष को बढ़ाने की इच्छाशक्ति को उजागर किया। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर सोच में पूरी स्पष्टता थी कि एक व्यापक संघर्ष भारत के हित में नहीं है, भले ही पाकिस्तान की सैन्य परिसंपत्तियों को और अधिक नुकसान पहुँचाने का सैन्य प्रलोभन मौजूद था।

समझदारी और संयम, ज़िम्मेदार राज-काज और सैन्य अभियानों के दो ऐसे साथ-साथ चलने वाले पहलू हैं, जिन्हें भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अच्छी तरह प्रदर्शित किया; खासकर इस मामले में कि उसने अपने हमलों के दौरान कोई भी अतिरिक्त नुकसान नहीं होने दिया और सैन्य श्रेष्ठता होने के बावजूद पाकिस्तान के युद्धविराम के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अब पीछे मुड़कर देखने पर, एक लंबे और बड़े संघर्ष से मिलने वाले फ़ायदे, उसके संभावित आर्थिक और मानवीय नुकसानों के मुकाबले बहुत ही मामूली लगते हैं। चार दिनों के भीतर ही संघर्ष को समाप्त कर देने से जो सैकड़ों करोड़ रुपये की बचत हुई, उसने मध्य-पूर्व में चल रहे मौजूदा संघर्ष के दौरान भारत की आर्थिक सहनीयता में योगदान दिया है। दूसरी ओर, मध्य-पूर्व के संघर्ष में अमेरिका के 27 अरब डॉलर से भी ज़्यादा खर्च हो चुके हैं और इस संघर्ष का कोई अंत भी नज़र नहीं आ रहा है।

भारत के मौजूदा उच्च रक्षा संगठन ने संघर्ष के दौरान अच्छी तरह काम किया। ऑपरेशन के नीति-निर्माण और तैयारी के चरण में केंद्रीकृत और निर्देशात्मक नियंत्रण का एक स्पष्ट मॉडल देखने को मिला; इसके पहले स्तर पर प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और रक्षा मंत्री थे, जबकि दूसरे स्तर पर सीडीएस और तीनों सेना के प्रमुख इसे समर्थन दे रहे थे। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि सेना प्रमुखों और खुफिया एजेंसियों को स्पष्ट और ठोस रणनीतिक परिणाम बताए गए थे, जिसके बाद उन्हें एक व्यावहारिक कार्ययोजना' तैयार करने की जिम्मेदारी दी गयी।

भले ही हज़ारों सालों में युद्ध के स्वरूप में कई बदलाव आए हों, लेकिन कौटिल्य, सुन त्ज़ू, क्लॉज़विट्ज़ और लिडेल हार्ट जैसे प्राचीन और आधुनिक रणनीतिकारों द्वारा बताए गए युद्ध के अधिकांश मूल सिद्धांत समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। कुल मिलाकर, ऑपरेशन सिंदूर की भारत की सफलता ने तनाव बढ़ाने और प्रतिरोध करने की सीमाओं का विस्तार किया, भारत ऐसा इसलिए कर पाया क्योंकि इसने समय की कसौटी पर खरे उतरे युद्ध के कुछ सिद्धांतों और संकट के समय फ़ैसले लेने के तरीकों का पालन किया। इनमें से, लक्ष्य का चयन और उसे बनाए रखना, शक्ति का केंद्रीकरण, आक्रामक कार्रवाई, अचानक हमला, कमान की एकता, सुरक्षा, सरलता, मनोबल और अनुकूलनशीलता ऐसे सिद्धांत हैं, जिन पर और अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

परिचालन स्तर पर, भारत की उभरती हुई बहु-क्षेत्रीय सैन्य रणनीति के तलवार के रूप में आईएएफ का इस्तेमाल करने का फ़ैसला एक साहसी कदम था, जो आज के दौर के संघर्षों के बदलते स्वरूप को दिखाता है और जिस पर बारीकी से नज़र रखने और विश्लेषण करने की ज़रूरत है। पाकिस्तान की चीन से मिली वायु रक्षा प्रणालियों को चकमा देने और उन्हें जाम करने के बाद, भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में घुसकर हमला किया। इस हमले में पाकिस्तान और पीओजेके में मौजूद 9 अहम आतंकवादी ठिकाने तबाह हो गए, और लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज़्बुल मुजाहिदीन के प्रमुख केंद्र नष्ट हो गए। 10 मई को, कुछ ही घंटों के भीतर, भारत ने अपने हमले का दायरा और बढ़ाया तथा 11 प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया, जिनमें नूर खान एयरबेस, रफ़ीक़ी एयरबेस, मुरीद एयरबेस, सुक्कुर एयरबेस, सियालकोट एयरबेस, पसरूर एयरबेस, चुनियां एयरबेस, सरगोधा एयरबेस, स्कार्दू एयरबेस, भोलारी एयरबेस और जैकोबाबाद एयरबेस शामिल थे।

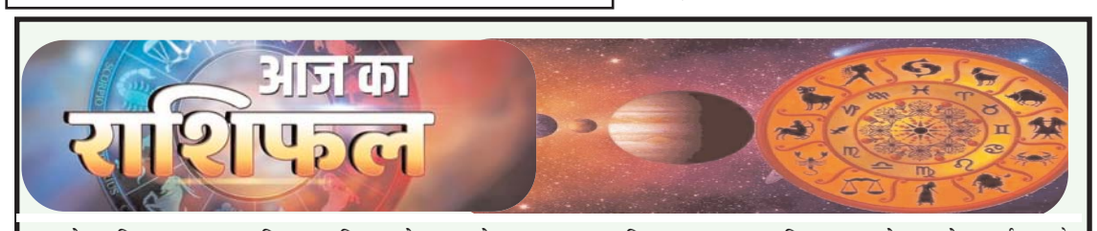

मेष राशि: आज आपका दिन आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आज व्यवसाय में किसी नए काम की शुरुआत होगी, परंतु अभी अधिक लाभ की उम्मीद ना रखकर पूरी तरह से मेहनत करें। और स्टाफ के साथ मित्रवत व्यवहार रखें।

वृष राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज बिजनेस में लेनदेन बहुत सोच-विचार कर करेंगे, जल्दबाजी नहीं करेंगे। किसी प्रकार की भी पार्टनरशिप करने की योजना को आज स्थगित करना पड़ सकता है।

मिथुन राशि: आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। अगर आप नया काम शुरू करना चाहते हैं, तो घर में बात करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपको अपने प्रयासों और परिश्रम के उचित से परिणाम हासिल होंगे। नौकरी कर रहे लोगों को महत्वपूर्ण कार्यभार की जिम्मेदारी दे जा सकती है। आज माता-पिता का सहयोग मिलने से विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा जिससे वे खूब मन लगाकर पढ़ाई करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके शानदार रहने वाला है। आज आपके लिए व्यावसायिक मामलों में परिस्थितियों के अनुसार व्यवस्था बनाए रखना जरूरी होगा। अपने संपर्कों को और अधिक मजबूत करें, इससे अच्छे अनुबंध मिल सकते हैं। सरकारी दफ्तर में सेवारत लोगों को अपने काम के प्रति आज वफादार रहने की जरूरत है।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर में माहौल खुशनुमा रहेगा। कुछ समय अपने लिए जरूर निकालें। आज व्यवसाय को लेकर की गई मेहनत आपकी तरक्की के द्वार खोलने वाली है। सहकर्मियों के साथ संबंध अच्छा रखें। पार्टनरशिप संबंधी व्यवसाय में आपसी तालमेल में कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई उम्दा होगे। आज आपका का दिन प्रसन्नता और स्फूर्ति से भरा रहेगा। परिवार जनों के साथ किसी विशेष मुद्दे को लेकर सकारात्मक वार्तालाप भी होगा। आपकी योग्यता और काबिलीयत की समाज और रिश्तेदारों के बीच सराहना होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। बडे-बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे,। आज अपने व्यक्तिगत जीवन से जुड़ा फैसला लेने का अनुकूल समय है। आपकी निपुणता और योग्यता लोगों के सामने आएगी। लाभदायक समय बना हुआ है। आपके नेतृत्व में सोसाइटी संबंधित विशेष गतिविधि पूरी होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज अपने संपर्क बढ़ाने पर जोर देंगे यह आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज कुछ पुरानी समस्या का समाधान मिल जाने से मानसिक रूप से बहुत ही सुकून और राहत मिलेगी। विद्यार्थियों को भी अपने किसी उपलब्धि से आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी क्रिएटिविटी सराहनीय रहेगी।

धनु राशि: आज आपका दिन उल्लास से भरा रहने वाला है। आज किसी विशेष काम को लेकर किए गए प्रयासों का प्रतिफल आपको मिलने वाला हैं। उधार दिया हुआ अथवा फसा हुआ पैसा भी मिल सकता है। अध्ययनरत युवाओं को प्रोफेशनल पढ़ाई में उचित सफलता मिल सकती है। अगर घर परिवर्तन संबंधी योजना बना रहें हैं, तो आज उस पर अमल अवश्य करें।

मकर राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। आपको आर्थिक रूप से अपने सगे संबंधियों की मदद मिलेगी। अपनी सेहत को बेहतर बनाये रखने के लिए योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा अवश्य बनाये। साथ ही नकारात्मक चीज़ों से अपने आपको बचाने की कोशिश करें।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं, यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप सक्रिय और सकारात्मक रहने तथा योजनाबद्ध तरीके से दिनचर्या व्यवस्थित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक सेवार्थ में दिन का अधिकतर समय बीतेगा। साथ ही महत्वपूर्ण लोगों से लाभदायक संपर्क भी बनेंगे। कोई रुका हुआ आय का स्रोत भी शुरू हो सकता है।

मीन राशि: आज आपका दिन बेहतरीन बीतने वाला है। कलात्मक कार्यों में आज आपकी रुचि बढ़ेगी। पढ़ाई में छात्रों के लिए यह समय जी-जान लगाकर पढ़ने का है। आज नये प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले मित्रों से सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज धार्मिक स्थलों की यात्रा जीवनसाथी के साथ जाने पर शुभ होगी।

प्रकृति की मूक चीख: एक पौधा हमें बचा सकता है, हम उसे बचा नहीं पा रहे

[एक पौधा, हजारों सवाल: हमारी विकास की भूख कितनी महंगी पड़ रही है]

[धरती माँ का छुपा हुआ आभूषण: यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस और हमारी लापरवाही]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

प्रकृति की गोद में रची-बसी भारतीय धरती आज भी जैव-विविधता के अनगिनत रहस्यों को अपने भीतर समेटे हुए है, और आधुनिक वैज्ञानिक खोजें लगातार यह साबित कर रही हैं कि यह खजाना अभी पूरी तरह सामने नहीं आया है। हाल ही में खोजी गई पौध प्रजाति यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि हमारे पारिस्थितिक तंत्र में अभी भी अनेक अनदेखे रहस्य मौजूद हैं। यह खोज केवल एक नई वनस्पति की पहचान नहीं, बल्कि यह संकेत है कि भारत के वन, पर्वतीय क्षेत्र और सूक्ष्म आवास विज्ञान के लिए निरंतर नए द्वार खोल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट में ऐसी खोजों की बढ़ती संख्या यह दर्शाती है कि पर्यावरणीय अनुसंधान अब अधिक गहराई और विस्तार के साथ आगे बढ़ रहा है।मरुस्थल जैसी कठोर परिस्थितियों में भी जीवन की सूक्ष्म संभावनाएँ कितनी समृद्ध हो सकती हैं, यह यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज स्पष्ट रूप से दर्शाती है। यह दुर्लभ पौधा आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साई जिले के निगिडी वन क्षेत्र में ग्रेनाइट चट्टानों के बीच लगभग 450 से 550 मीटर की ऊँचाई पर पाया गया है, जहाँ अत्यंत कठिन जलवायु परिस्थितियाँ मौजूद हैं। फिर भी यह प्रजाति अपनी विशिष्ट जैविक संरचना के बल पर जीवित है और पर्यावरण के साथ अद्भुत संतुलन स्थापित करती है। इसकी पत्तियों और तनों की बनावट जल संरक्षण की अत्यंत उन्नत क्षमता प्रदान करती है, जिससे यह शुष्क क्षेत्रों में भी टिकाऊ बनी रहती है। इसी असाधारण अनुकूलन क्षमता के कारण यह पौधा वैज्ञानिकों के लिए एक महत्वपूर्ण और गहन अध्ययन का विषय बन चुका है।

वैज्ञानिक अनुसंधानों की बढ़ती गति ने भारत की जैव-विविधता को नए आयामों में उजागर करना प्रारंभ कर दिया है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक दशक में सैकड़ों नई पौध प्रजातियाँ दर्ज की गई हैं, जो यह स्पष्ट करती हैं कि भारत केवल सांस्कृतिक रूप से ही नहीं, बल्कि जैविक दृष्टि से भी अत्यंत समृद्ध देश है। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट और बॉटेनिकल सर्वे ऑफ़ इंडिया के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत में हजारों नई पौध प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया है। केवल वर्ष 2024 में ही 410 से अधिक नई प्रजातियाँ दर्ज की गईं। इनमें अनेक प्रजातियाँ औषधीय गुणों से युक्त हैं, जो भविष्य में चिकित्सा विज्ञान के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती हैं। ये निरंतर हो रही खोजें प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और उनके संतुलित उपयोग की आवश्यकता को और अधिक अनिवार्य बना देती हैं।इन दुर्लभ पौधों का अध्ययन अब केवल जैव-विज्ञान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को समझने का आधार बन गया है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी प्रजातियाँ दर्शाती हैं कि छोटे-से-छोटे आवासों में भी जीवन के सूक्ष्म और जटिल चक्र सक्रिय रहते हैं। यदि इन संवेदनशील क्षेत्रों में मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता रहा, तो अब तक अनदेखी जैव-विविधता गंभीर रूप से प्रभावित या विलुप्त हो सकती है। इसलिए वैज्ञानिक ऐसे क्षेत्रों की सतत निगरानी और संरक्षण पर विशेष जोर दे रहे हैं।

यह प्रजाति अत्यंत दुर्लभ है; लगभग 2.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में केवल करीब 80 पौधे ही पाए गए हैं। ग्रेनाइट खनन और जंगल की आग इसके अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। विस्तृत जैव-भौगोलिक परिदृश्य में फैले पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर भारत और दक्कन पठार आज नई प्रजातियों की खोज के प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। हर वर्ष यहाँ होने वाली नई पहचानें यह स्पष्ट करती हैं कि वनस्पति और जीव-जगत का एक बड़ा हिस्सा अभी भी विज्ञान की वर्तमान समझ से बाहर है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस की खोज भी इसी निरंतर श्रृंखला का हिस्सा है, जो यह दर्शाती है कि सूक्ष्म स्तर पर भी प्रकृति अत्यंत जटिल और विविध संरचनाओं से बनी हुई है। ऐसी खोजें न केवल वैज्ञानिक अध्ययन को दिशा देती हैं, बल्कि नीति निर्माण के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत प्रदान करती हैं।

इन वैज्ञानिक खोजों की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि ये स्थानीय समुदायों के पारंपरिक ज्ञान और अनुभव से गहराई से जुड़ी होती हैं। आदिवासी और ग्रामीण समाज अक्सर ऐसे पौधों की पहचान पहले ही कर लेते हैं, जिनका औपचारिक वैज्ञानिक वर्गीकरण बाद में किया जाता है। यह सहभागिता जैव-विविधता अनुसंधान को अधिक सशक्त और विश्वसनीय बनाती है। यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसे पौधों के अध्ययन में भी स्थानीय ज्ञान की अहम भूमिका रही है, जो यह स्पष्ट करता है कि विज्ञान और परंपरा का संगम प्रकृति को समझने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।पर्यावरणीय दृष्टिकोण से देखें तो ये खोजें केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी भी हैं। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण कई प्रजातियों को उनके दर्ज होने से पहले ही विलुप्ति की ओर धकेल रहे हैं। राष्ट्रीय जैव-विविधता रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि संरक्षण उपायों को सख्ती से लागू नहीं किया गया, तो आने वाले वर्षों में जैव-विविधता पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। इसी संदर्भ में यूफोरबिया अनन्थापुरामेन्सिस जैसी खोजें केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रकृति के संरक्षण की तत्काल आवश्यकता का स्पष्ट संकेत भी हैं।

दिल्ली को दहलाने की ISI की साजिश नाकाम, ऐतिहासिक मंदिर और सोनीपत का मशहूर ढाबा था निशाने पर

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की गिरफ्त में आए पाकिस्तान समर्थित 'शहजाद भट्टी मॉड्यूल' से जुड़े आरोपियों ने पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, आतंकियों के निशाने पर दिल्ली का एक ऐतिहासिक मंदिर और हरियाणा स्थित एक सैन्य कैंप था। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों को निशाना बनाकर बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। सुरक्षा एजेंसियां अब इस मॉड्यूल के नेटवर्क, फंडिंग और संभावित सहयोगियों की गहन जांच कर रही हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि इन सूचनाओं का इस्तेमाल संभावित आतंकी साजिश की योजना बनाने के लिए किया जा सकता था। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने संवेदनशील धार्मिक स्थलों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ा दी है। इस मॉड्यूल के तार सीमा पार बैठे हैंडलर्स से जुड़े हो सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विभिन्न राज्यों की सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दर्दनाक सड़क हादसा : तेज रफ्तार ट्रक ने पति-पत्नी को कुचला, मौके पर हुई मौत, 4 साल का मासूम गंभीर

कबीरधाम,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जहां बाइक सवार पति-पत्नी को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई और उनका 4 साल का बेटा गंभीर रूप से घायल है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद नाराज ग्रामीणों ने सड़क जाम कर जमकर प्रदर्शन किया। यह घटना कुण्डा थाना क्षेत्र में हुई है। कब और कैसे हुआ हादसा जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान कृष्णा आढिले और पत्नी कीर्ति आढिले के रूप में हुई है, जो कि सारंगढ़ के रहने वाले थे। कृष्णा आढिल शुक्रवार सुबह अपनी पत्नी कीर्ति और 4 साल के बेटे के साथ बाइक से अपने ससुराल कोलेगांव जा रहा था। कुण्डा थाना क्षेत्र में सामने से आ रहे ट्रक को क्रॉस करते समय बाइक सड़क किनारे गिली मिट्टी में फिसलकर गिर गई और पति-पत्नी ट्रक के पहिए के नीचे आ गए, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

एनसीआर : बादलों और तेज हवाओं के बीच बढ़ेगा गर्मी का असर, अगले तीन दिनों में 38 डिग्री तक पहुंचेगा पारा

नोएडा ,(आरएनएस)। एनसीआर में फिलहाल मौसम का मिजाज लोगों को गर्मी से कुछ राहत दे रहा है। आसमान में बादलों की आवाजाही, बीच-बीच में सूरज की लुका-छुपी और तेज हवाओं के कारण अभी भी भीषण गर्मी का एहसास नहीं हो रहा है। हालांकि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान लगातार बढ़ेगा और 10 से 12 मई के बीच अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग के स्थानीय पूर्वानुमान के मुताबिक 8 मई को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दिन आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और किसी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। 9 मई को तापमान बढ़कर 36 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। वहीं 10 मई को अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 11 मई को भी अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने की संभावना जताई गई है। इस दौरान आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रह सकता है। 12 मई को तापमान में हल्की गिरावट के साथ अधिकतम 37 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री रहने का अनुमान है, जबकि 13 मई को अधिकतम तापमान 36 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक किसी प्रकार की हीट वेव या अन्य चेतावनी जारी नहीं की है। तेज हवाओं का असर वायु गुणवत्ता पर भी साफ दिखाई दे रहा है। दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) फिलहाल संतोषजनक और ग्रीन जोन में दर्ज किया गया है। दिल्ली के चांदनी चौक इलाके में एक्यूआई 53 दर्ज हुआ, जबकि कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और सीआरआरआई मथुरा रोड पर एक्यूआई 78 रहा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली के रूप नगर में राजकीय सर्वोदय विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान शिक्षकों के साथ बातचीत की।

मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले कांग्रेस सांसद शशि थरूर, केरल की राजनीतिक स्थिति पर की चर्चा

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम ,,(आरएनएस)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात कर केरल की मौजूदा राजनीतिक स्थिति और पार्टी से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा की। थरूर ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि अनुभवी और स्पष्ट विचारों वाले वरिष्ठ नेता से विचार साझा करना हमेशा उपयोगी रहता है। शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने खड़गे से मुलाकात कर राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने पोस्ट में लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलकर मैंने उन्हें केरल के हालात के बारे में अपनी राय बताई और हमारी पार्टी से जुड़े हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की। इस मजबूत, बेबाक और अनुभवी दिग्गज नेता के साथ अपने विचार साझा करना हमेशा अच्छा लगता है। इसके अलावा, तिरुवनंतपुरम में शशि थरूर ने स्थानीय नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने तिरुवनंतपुरम सेंट्रल से विजयी विधायक सी.पी. जॉन को उनकी जीत पर बधाई दी।

डीआरडीओ-आईएएफ की बड़ी कामयाबी : स्वदेशी ग्लाइड वेपन 'तारा' का सफल परीक्षण, दुश्मन पर 100 किमी दूर से सटीक वार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) और भारतीय वायुसेना (IAF) ने ओडिशा तट के पास देश के पहले स्वदेशी ग्लाइड वेपन ÒTARAÓ का सफल परीक्षण किया। इस सफलता के साथ भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो पुराने बमों को आधुनिक, सटीक और लंबी दूरी तक मार करने वाले स्मार्ट हथियारों में बदलने की क्षमता रखते हैं। इससे भारतीय वायुसेना की मारक क्षमता में बड़ा इजाफा होगा। TARA का पूरा नाम Tactical Advanced Range Augmentation है। यह भारत का पहला स्वदेशी मॉड्यूलर रेंज एक्सटेंशन किट है, जिसे सामान्य अनगाइडेड बमों को स्मार्ट ग्लाइड वेपन में बदलने के लिए विकसित किया गया है। इस सिस्टम में विंग्स, कंट्रोल सर्फेस और अत्याधुनिक गाइडेंस पैकेज लगाया जाता है, जिससे पारंपरिक बम हवा में लंबी दूरी तक ग्लाइड कर सकता है और बेहद सटीक निशाना साध सकता है। इसे मुख्य रूप से भारतीय वायुसेना के 450 किलोग्राम श्रेणी के बमों के साथ इस्तेमाल किया जाएगा।

इसका परीक्षण Su-30MKI लड़ाकू विमान से किया गया। तय ऊंचाई पर विमान से छोड़ने के बाद TARA बिना इंजन के हवा में ग्लाइड करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचा और सटीक प्रहार किया। परीक्षण के दौरान DRDO के वैज्ञानिकों ने रडार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सिस्टम की मदद से इसकी पूरी उड़ान पर नजर रखी। इसमें एयरोडायनामिक्स, नेविगेशन सिस्टम और अंतिम चरण की सटीकता का सफल परीक्षण किया गया।

TAR की सबसे बड़ी विशेषता इसकी 100 किलोमीटर से अधिक की मारक क्षमता है। इससे लड़ाकू विमान दुश्मन की एयर डिफेंस रेंज से बाहर रहकर भी सुरक्षित तरीके से हमला कर सकते हैं। यह हाइब्रिड नेविगेशन सिस्टम पर आधारित है, जिसमें इनर्शियल नेविगेशन और सैटेलाइट गाइडेंस दोनों का उपयोग किया गया है। इसकी मॉड्यूलर डिजाइन इसे अलग-अलग प्रकार के बमों पर आसानी से लगाने योग्य बनाती है।यह प्रणाली विदेशी ग्लाइड वेपन्स की तुलना में काफी सस्ती मानी जा रही है। इसके जरिए वायुसेना के पुराने और पारंपरिक बमों को आधुनिक स्मार्ट हथियारों में बदला जा सकेगा, जिससे रक्षा खर्च में भी कमी आएगी।

कोलकाता में पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह और राज्य में बीजेपी की पहली सरकार के गठन से पहले, सड़क के किनारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कट-आउट लगाए गए हैं।

पटना में लाठीचार्ज, TRE एग्जाम की मांग कर रहे अभ्यर्थियों को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

पटना(आरएनएस)। बिहार की राजधानी पटना में शिक्षक भर्ती परीक्षा (TRE-y) की मांग कर रहे अभ्यर्थियों पर पुलिस ने आज जमकर लाठियां भांजी. प्रदर्शनकारी अभ्यर्थी इस परीक्षा के लिए तुरंत रिक्तियों को जारी करने मांग कर रहे हैं. गौरतबल है कि छात्र नेता दिलीप ने 8 मई को हजारों छात्रों के साथ पटना कॉलेज से मार्च करने की चेतावनी दी थी. आज हजारों छात्र इसी मांग के लिए प्रदर्शन कर रहे थे. आक्रोशित छात्र बैरीकेड तोड़ने लगे जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा. शिक्षा विभाग ने कुछ दिनों पहले कहा था कि 19-20 अप्रैल तक TRE-4 के लिए नोटिफिकेशन जारी हो जाएगा और 26 अप्रैल तक फॉर्म भरा जाने लगेगा. लेकिन तारीख बताने के बाद भी नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ है. इसके बाद अभ्यर्थियों में गुस्सा है।

सोहराबुद्दीन एनकाउंटर केस में बड़ा फैसला, बॉम्बे हाईकोर्ट से 21 पुलिसकर्मियों समेत सभी 22 आरोपी बरी

मुंबई ,(आरएनएस)। गुजरात के बहुचर्चित सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने मामले में 21 पुलिसकर्मियों समेत सभी 22 लोगों को बरी किए जाने के विशेष अदालत के फैसले को बरकरार रखा है। बता दें कि दिसंबर 2018 में सीबीआई की विशेष अदालत ने इन सभी आरोपियों को दोषमुक्त करार दिया था। इस फैसले को चुनौती देते हुए सोहराबुद्दीन के दो भाइयों ने अप्रैल 2019 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। अब सालों बाद उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुनाते हुए आरोपियों को बड़ी राहत दी है। बरी हुए पुलिसकर्मियों में गुजरात, राजस्थान और आंध्र प्रदेश पुलिस के जवान और अधिकारी शामिल हैं।साल 2005-06 का यह एनकाउंटर मामला भारत के सबसे चर्चित और विवादित केसों में से एक रहा है। यह घटना उस दौरान हुई थी जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, जिसके चलते विपक्ष ने राज्य सरकार को घेरने की पुरजोर कोशिश की थी और देश की सियासत गरमा गई थी। शुरुआत में इस मामले की जांच गुजरात सीआईडी (क्राइम) और एटीएस ने की थी। मामले की गंभीरता और राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में जांच सीबीआई को सौंप दी थी और निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए ट्रायल को भी गुजरात से हटाकर मुंबई की स्पेशल कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था।

कौन था सोहराबुद्दीन और क्या थी सीबीआई की थ्योरी ?

साल 2018 में ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में यह स्पष्ट किया था कि सोहराबुद्दीन एक वांछित और खूंखार अपराधी था, जिस पर गुजरात और राजस्थान में हत्या, अपहरण और फिरौती जैसे कई संगीन मुकदमे दर्ज थे। वहीं, सीबीआई की थ्योरी के मुताबिक 23 नवंबर 2005 को सोहराबुद्दीन, उसकी पत्नी कौसर बी और उसके सहयोगी तुलसीराम प्रजापति को हैदराबाद से सांगली जाते वक्त एक लग्जरी बस से अगवा किया गया था। जांच एजेंसी का दावा था कि सोहराबुद्दीन और उसकी पत्नी को पहले गुजरात के एक फार्महाउस में बंधक बनाकर रखा गया और फिर नवंबर 2005 में अहमदाबाद में सोहराबुद्दीन का फर्जी एनकाउंटर कर दिया गया। इसके तुरंत बाद उसकी पत्नी की भी हत्या कर दी गई, जबकि तुलसीराम प्रजापति का एनकाउंटर करीब एक साल बाद हुआ था।

नासिक धर्मांतरण मामले में मुख्य आरोपी निदा खान गिरफ्तार

मुंबई,(आरएनएस)। नासिक स्थित टीसीएस कार्यालय से जुड़े कथित धर्मांतरण और उत्पीड़न मामले की मुख्य आरोपियों में से एक निदा खान को कई दिनों तक पुलिस से बचने के बाद महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों के अनुसार, निदा खान को गुरुवार को छत्रपति संभाजीनगर के नरेगांव क्षेत्र स्थित कैसर कॉलोनी के एक आवासीय अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ दिनों से अपने माता-पिता, भाई और मौसी के साथ वहां रह रही थीं। पुलिस टीमें करीब दो दिनों से उस स्थान पर नजर रख रही थीं, जिसके बाद कार्रवाई की गई। यह गिरफ्तारी नासिक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी), छत्रपति संभाजीनगर पुलिस कमिश्नरेट और क्राइम ब्रांच द्वारा संयुक्त रूप से की गई। जांच अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में एक विशेष टीम गठित की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर खान का पता लगाया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें ट्रांजिट रिमांड के लिए स्थानीय जेएमएफसी अदालत में पेश किया गया। बाद में आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें नासिक ले जाया गया।

ममता बनर्जी ने नहीं बदली सोशल मीडिया प्रोफाइल, मुख्यमंत्री का टैग अभी तक बरकरार

कोलकाता,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में 17वीं विधानसभा भंग होने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने अपनी सोशल मीडिया

प्रोफाइल नहीं बदली है। वे आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री बन चुकी हैं, लेकिन सोशल मीडिया प्रोफाइल में अभी भी मुख्यमंत्री का टैग बरकरार रखा है। ममता बनर्जी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल फेसबुक और एक्स पर अभी भी माननीय मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल का इस्तेमाल कर रही हैं। हार के बावजूद ममता ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने के इनकार किया था, जिसे वे सोशल मीडिया पर बरकरार रखे हुए हैं। इससे पहले, गुरुवार को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आरएन रवि ने 17वीं विधानसभा को भंग कर दिया। 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को पूरा हो चुका था। लिहाजा, राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 174 (2)(बी) से प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए विधानसभा को भंग किया। लोकभवन, कोलकाता की तरफ से जारी पत्र में कहा गया कि राज्यपाल आरएन रवि ने विधानसभा भंग करने का आदेश दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

2021 में 17वीं विधानसभा का चुनाव जीतकर ममता बनर्जी तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। वे 2011 से लगातार सत्ता पर काबिज रहीं। हालांकि, इस बार विधानसभा चुनाव में उन्हें करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है। तृणमूल कांग्रेस बंगाल में अपनी सत्ता को बरकरार रखने में नाकाम रही और ममता बनर्जी को भी भवानीपुर सीट पर हार का सामना करना पड़ा।

किसानों की समस्या पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का तत्काल फैसला, लीची संकट पर बनी विशेषज्ञ कमेटी

बिहार में लीची फसल बचाने के लिए शिवराज सिंह के निर्देश पर विशेषज्ञ कार्यबल को मिली जिम्मेदारी

पटना(आरएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिहार के लीची किसानों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए त्वरित और संवेदनशील पहल की है। किसानों द्वारा लीची स्टिंग बग से फसल को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठाए जाने के बाद शिवराज सिंह के निर्देश पर तुरंत एक विशेषज्ञ कार्यबल (टास्क फोर्स) गठित किया गया, जो प्रभावित इलाकों का दौरा कर रिपोर्ट और समाधान देगा।

केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ में 7 मई को आयोजित कृषक संवाद कार्यक्रम के दौरान किसानों ने लीची स्टिंग बग के कारण फसल को हो रहे भारी नुकसान का मुद्दा केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष उठाया था। इस पर श्री चौहान ने तत्काल संज्ञान लिया और विशेषज्ञ कार्यबल के गठन का निर्देश दिया।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर द्वारा 7 मई को जारी आदेश के अनुसार, यह टास्क फोर्स लीची स्टिंग बग की वर्तमान स्थिति का आकलन करेगा, प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा, फसल क्षति का वैज्ञानिक अध्ययन करेगा और किसानों को राहत पहुंचाने के लिए तात्कालिक तथा दीर्घकालिक उपाय सुझाएगा। साथ ही यह

कार्यबल किसानों के लिए जरूरी परामर्श, विस्तार गतिविधियों और राज्य व केंद्र स्तर पर आवश्यक हस्तक्षेप संबंधी सुझाव भी देगा।

आदेश के अनुसार, इस विशेषज्ञ कार्यबल का गठन विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों, अधिकारियों और विशेषज्ञों को शामिल कर किया गया है। इसमें राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर के निदेशक को अध्यक्ष बनाया गया है। इसमें निम्न सदस्य लिए गए हैं - उद्यान-सह-बिहार राज्य बागवानी मिशन के निदेशक, बिहार सरकार द्वारा नामित प्रतिनिधि, पौधा संरक्षण, कृषि विभाग, बिहार सरकार के निदेशक द्वारा नामित प्रतिनिधि, डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर के कीट वैज्ञानिक द्वारा नामित प्रतिनिधि, बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर के प्रधान वैज्ञानिक (कीट विज्ञान) द्वारा नामित प्रतिनिधि, एकीकृत बागवानी विकास मिशन द्वारा नामित प्रतिनिधि, पूर्वी क्षेत्र के लिए भाकृअनुप-अनुसंधान परिसर और पहाड़ी एवं पठारी क्षेत्र के लिए कृषि प्रणाली अनुसंधान केंद्र, रांची के वैज्ञानिक डॉ. जयपाल सिंह चौधरी, राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो, बेंगलुरु के डॉ. एम. सम्पत कुमार, भाकृअनुप-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र, मुजफ्फरपुर वैज्ञानिक (कीट विज्ञान) डॉ. इप्सिता सामल तथा प्रधान वैज्ञानिक (कीट विज्ञान) डॉ. विनोद कुमार (सदस्य सचिव)।

आदेश के मुताबिक, यह कार्यबल बिहार के लीची उत्पादक जिलों के मुख्य प्रभावित प्रखंडों का जल्द दौरा करेगा। इसके बाद यह टीम एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष प्रस्तुत करेगी ताकि समय रहते जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पिंक अनारकली सूट और बालों में गजरा, अनन्या पांडे ने दिखाई दिलकश अदाएं, नजरें हटाना मुश्किल

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर सुर्खियों में हैं. इस फिल्म के हीरो लक्ष्य हैं. ये रोमांटिक ड्रामा फिल्म 22 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. अनन्या आजकल फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं. अब इस बीच अनन्या पांडे ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो पिंक कलर का अनारकली सूट पहने नजर आ रही हैं. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं.बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती है. उन्होंने हाल ही में फैंस के बीच अपना ट्रेडिशनल लुक शेयर किया, जिसमें वो पेस्टल पिंक कलर का सूट पहने नजर आ रही हैं. इस सूट पर गोल्डन बॉर्डर का बारीक काम उनके लुक को रिच और एलीगेंट टच दे रहा है. सॉफ्ट, एलीगेंट और ट्रेडिशनल वाइब से भरपूर अनन्या पांडे का यह लुक बेहद ग्रेसफुल लग रहा है. उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. अनन्या पांडे ने अपने लुक को पूरा करने के लिए हल्का और नेचुरल मेकअप किया है. उन्होंने अपने बालों को स्लीक बन में बांधा है, जिसे पिंक फूलों से सजाया गया है, जो उनके पूरे लुक को और भी एलीगेंट बना रहा है. अनन्या पांडे ने इस लुक के साथ स्टेटमेंट ईयररिंग्स कैरी किए, जो आकर्षक होने के बावजूद ओवरडोन नहीं लगे और पूरे लुक को खूबसूरती से बैलेंस किया. कुल मिलाकर, अनन्या का ये अंदाज मिनिमल एलिगेंस और ट्रेडिशनल चार्म का परफेक्ट कॉम्बिनेशन नजर आया. अनन्या इस ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. एक्ट्रेस का ये लुक उनके फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है. उनके इस पोस्ट पर फैंस लगातार कमेंट कर रहे हैं. अनन्या पांडे ने फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कितने चांद, स्पॉट किए आपने? बता दें कि अनन्या पांडे की फिल्म चांद मेरा दिल के प्रोड्यूसर करण जौहर हैं. वहीं, विवेक सोनी इस फिल्म को डायरेक्ट किया है.

सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 का ट्रेलर जारी, रणदीप हुड्डा फिर दिखेंगे दमदार अवतार में

अभिनेता रणदीप हुड्डा की आने वाली वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह क्राइम-थ्रिलर सीरीज जियो हॉटस्टार पर 15 मई 2026 को प्रसारित की जाएगी। उत्तर प्रदेश के सुपरकॉप की असली कहानी से प्रेरित इस सीरीज का पहला भाग काफी पसंद किया गया था। सीजन के दूसरे भाग के ट्रेलर में इस बार कहानी पहले से ज्यादा एक्शन से भरपूर नजर आने वाली है।90 के दशक के उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीजन में इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की लड़ाई सिर्फ अपराधियों से नहीं, बल्कि सिस्टम और निजी जिंदगी के संकटों से भी होती दिखेगी। सीजन 2 में कहानी तब और जटिल हो जाती है जब अविनाश का बेटा एक हत्या मामले में फंस जाता है, वहीं उसकी शादीशुदा जिंदगी भी टूटने के कगार पर पहुंच जाती है।

उर्वशी रौतेला की वापसी से और दमदार होगा इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2, बोलीं- इस किरदार ने मुझे भीतर तक बदल दिया

क्राइम और सस्पेंस से भरपूर वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटने जा रही है। मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन का ऐलान कर दिया है और इस बार कहानी पहले से ज्यादा रोमांच से भरी होगी। सीरीज में एक बार फिर उर्वशी रौतेला अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। वह इस रोल को अपने करियर के सबसे खास किरदारों में से एक मानती हैं।

उर्वशी रौतेला ने कहा, मेरे लिए इंस्पेक्टर अविनाश सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि एक भावनात्मक सफर रहा है। मेरा किरदार असली जिंदगी से प्रेरित है, इसलिए इसे मैंने जिम्मेदारी के साथ निभाने की कोशिश की है। निर्देशक नीरज पाठक की लिखी स्क्रिप्ट ने मुझपर काफी प्रभाव डाला है। जैसे ही मैंने कहानी पढ़ी, मुझे महसूस हुआ कि यह किरदार सिर्फ अभिनय करने का मौका नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा, सीरीज का दूसरा सीजन अपराध और पुलिस की दुनिया को गहराई से दिखाएगा। हालांकि, इस बार कहानी सिर्फ अपराध और जांच तक सीमित नहीं रहेगी। इसमें उन परिवारों की जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो पुलिस अधिकारियों के साथ हर मुश्किल दौर में खड़े रहते हैं। मेरा किरदार इसी भावनात्मक पक्ष को सामने लाएगा।सीरीज यह दिखाने की कोशिश करेगी कि एक पुलिस अधिकारी की नौकरी सिर्फ उसी इंसान को नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को प्रभावित करती है। उनके परिवारों को भी डर, तनाव और त्याग के साथ जीना पड़ता है। अपने किरदार को असली बनाने के लिए उर्वशी ने काफी मेहनत की। उन्होंने बताया, तैयारी के दौरान मैं असली इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा की पत्नी से मिलीं।मुझे उनकी सादगी, धैर्य और मानसिक मजबूती ने काफी प्रभावित किया। उनके साथ समय बिताने के बाद मुझे समझ आया कि पुलिस अधिकारी की पत्नी होना कितना मुश्किल होता है। बाहर से यह जिंदगी सामान्य दिख सकती है, लेकिन अंदर ही अंदर बहुत संघर्ष और चिंता छिपी होती है। इसी अनुभव ने मुझे अपने किरदार को और बेहतर तरीके से समझने में मदद की।

उर्वशी ने कहा, मैंने इस किरदार के लिए करीब दो साल तक तैयारी की। छोटी-छोटी आदतों और व्यवहार को समझने की कोशिश की। बोलने का तरीका, बॉडी लैंग्वेज, चलने का अंदाज और यहां तक कि साड़ी पहनने के तरीके तक पर भी ध्यान दिया। मैं चाहती हूं कि दर्शकों को मेरा किरदार पूरी तरह असली लगे। उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे पिछले सभी किरदारों से काफी अलग है और यही बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है। मैं हमेशा से ऐसे किरदार निभाना चाहती थीं जिनमें भावनात्मक गहराई हो।

मानुषी छिल्लर के साथ हिमेश रेशमिया जमाएंगे रंग, शराब का फर्स्ट लुक आउट

मशहूर गायक और संगीतकार हिमेश रेशमिया एक बार फिर अपने प्रशंसकों के लिए नया गाना शराब लेकर आ रहे हैं। यह एक हाई-एनर्जी ट्रैक है, जिसका फर्स्ट लुक गायक ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस गाने की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें पहली बार हिमेश रेशमिया और अभिनेत्री मानुषी छिल्लर नजर आने वाली हैं। इस जोड़ी को एक साथ पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए काफी रोमांचक अनुभव होने वाला है। इस म्यूजिक वीडियो का निर्देशन और कोरियोग्राफी मशहूर जोड़ी पीयूष और शाजिया ने की है, जो अपने अनोखे डांस स्टेप्स के लिए जाने जाते हैं। गाने को खुद हिमेश रेशमिया ने गाया है, लेकिन इस बार संगीत की कमान रजत नागपाल ने संभाली है। गाने के बोल राणा सोतल ने लिखे हैं, जिनसे उम्मीद की जा रही है कि वे युवाओं की पसंद को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। हिमेश रेशमिया ने इंस्टाग्राम पर गाने का पोस्टर शेयर कर लिखा, जय माता दी। चलो धमाल मचाते हैं। एक बार सुनना काफी नहीं होगा। शराब के लिए बने रहें। टीजर सिर्फ यूट्यूब चैनल पर आएगा।

गाने के पोस्टर का फर्स्ट लुक आते ही फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। हाई-एनर्जी गानों के लिए मशहूर हिमेश और ग्लैमरस मानुषी छिल्लर की केमिस्ट्री इस गाने में कैसी दिखेगी, यह देखना दिलचस्प होगा। पोस्टर को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह एक स्टाइलिश और बड़े स्तर पर फिल्माया गया म्यूजिक वीडियो होगा।

हिमेश रेशमिया के नॉन-फिल्मी एल्बमों ने भारतीय संगीत जगत पर अपनी गहरी छाप छोड़ी है। उनके एल्बम आप का सुरूर की कथित तौर पर 55 मिलियन से ज्यादा कॉपियां बिकीं, जिससे यह दुनिया का सबसे ज्यादा बिकने वाला नॉन-फिल्मी एल्बम बन गया। यह सिर्फ थ्रिलर के बाद दूसरे नंबर पर है। फिलहाल, हिमेश सलमान खान की बहुचर्चित वॉर ड्रामा फिल्म मातृभूमि- मे वॉर रेस्ट इन पीस के संगीत पर काम करने में व्यस्त हैं।

राजा शिवाजी की कमाई में मामूली गिरावट, फिर भी तोड़ा इन फिल्मों का रिकॉर्ड

रितेश देशमुख की पीरियड ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी बॉक्स ऑफिस पर अपना दमखम दिखा रही है। एक हफ्ता पूरा करने जा रही इस फिल्म को हिंदी के साथ मराठी संस्करण में रिलीज किया गया था। इन 6 दिनों के अंदर फिल्म को मराठी दर्शकों से बड़ा फायदा मिलता दिखा है और यही कारण है कि इसने अब तक 6 फिल्मों का रिकॉर्ड चकनाचूर कर दिया है। रितेश की राजा शिवाजी मराठी सिनेमा की चौथी सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है।सैकनिल्क के मुताबिक, राजा शिवाजी ने रिलीज के 6वें दिन, यानी पहले बुधवार को 4.25 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसमें हिंदी संस्करण से 1.25 करोड़ और मराठी संस्करण से 3 करोड़ रुपये शामिल हैं। चूकि 5वें दिन कलेक्शन 4.90 करोड़ रुपये था। ऐसे में कमाई में मामूली गिरावट देखने को मिली है। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर राजा शिवाजी ने अब तक कुल 48.65 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है। जल्द फिल्म 50 करोड़ के क्लब में शामिल होगी। राजा शिवाजी ने मराठी सिनेमा में चौथी सबसे बड़ी फिल्म बनने का गौरव हासिल किया है। इसने अब तक नटसम्राट (42 करोड़), पवनखिंड (37.72 करोड़), लाई भारी (37 करोड़), कट्यार कलजात घुसाली (35 करोड़), ठाकरे (31.6 करोड़) और टाइमपास (30 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

फिटनेस के सफर में निरंतर बने रहने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

फिटनेस का सफर एक ऐसा रास्ता है, जिस पर निरंतरता बहुत जरूरी होती है। चाहे आप जिम जाएं या घर पर व्यायाम करें, नियमितता से ही आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने फिटनेस रूटीन को निरंतर बनाए रख सकते हैं और अपने स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं। इन तरीकों से आपका फिटनेस सफर आसान और सुखद हो जाएगा।

रोजाना एक ही समय पर व्यायाम करें

रोजाना एक समय पर व्यायाम करने से आपके शरीर को एक नियमित समय का अंदाजा हो जाता है, जिससे वह उसे अपना लेता है और आपको व्यायाम की आदत पड़ जाती है। इससे आपका मन भी तैयार रहता है और आप नियमित रूप से अपनी फिटनेस गतिविधियों को जारी रख सकते हैं। चाहे सुबह हो या शाम, किसी भी समय चुनें और उसे दिनचर्या का हिस्सा बनाएं ताकि आप निरंतर बने रहें और अपने फिटनेस लक्ष्यों को हासिल कर सकें।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

बड़े लक्ष्यों को पाने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाना बहुत जरूरी होता है। इससे आपको अपनी प्रगति का पता चलता रहता है और आप प्रेरित रहते हैं। उदाहरण के लिए अगर आपका लक्ष्य वजन कम करना है, तो पहले हफ्ते में 500 ग्राम कम करने का लक्ष्य रखें, फिर धीरे-धीरे इसे बढ़ाएं। इस तरह आप अपने फिटनेस सफर में निरंतर बने रहेंगे और अपने बड़े लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकेंगे।

व्यायाम का आनंद लें

अगर आप अपने व्यायाम को मजेदार बनाएंगे, तो आप इसे लंबे समय तक जारी रख पाएंगे। इसके लिए आप अपनी पसंदीदा गतिविधियों जैसे नाच, साइकिल चलाना या तैरना आदि को अपनी फिटनेस रूटीन में शामिल कर सकते हैं। इससे न केवल आपका शरीर स्वस्थ रहेगा बल्कि आपका मन भी खुश रहेगा और आप निरंतर बने रहेंगे। इसके अलावा आप नए-नए तरीके आजमा सकते हैं, ताकि आपकी व्यायाम कभी उबाऊ न लगे और आप हमेशा प्रेरित रहें।

दूसरे लोगों के साथ व्यायाम करें

दूसरों के साथ व्यायाम करने से आपको प्रेरणा मिलती है और आप अकेलापन महसूस नहीं करते। समूह कक्षाएं, दोस्तों या परिवार वालों के साथ व्यायाम करने से व्यायाम रुचिकर बनती है और आप इसे नियमित रूप से जारी रख पाते हैं। इससे न केवल आपका शरीर फिट रहता बल्कि आपका मनोबल भी ऊंचा रहता है। समूह व्यायाम से आप नई तकनीकें सीख सकते हैं और एक-दूसरे की मदद कर सकते हैं, जिससे फिटनेस सफर और भी सफल हो सकता है।

आराम करना भी है जरूरी

निरंतरता बनाए रखने का मतलब यह नहीं कि आप बिना रुके काम करते रहें। शरीर को आराम देना उतना ही जरूरी है, जितना कि व्यायाम करना। पर्याप्त नींद लें, हफ्ते में एक-दो दिन आराम करें ताकि आपका शरीर ठीक हो सके और अगली बार जब आप व्यायाम करें तो पूरी ऊर्जा के साथ कर सकें। इससे न केवल आपकी फिटनेस बेहतर होगा बल्कि आप मानसिक रूप से भी तरोताजा महसूस करेंगे।

ध्यान को अपने फिटनेस रूटीन का हिस्सा बनाएं, मिलेंगे ये फायदे

ध्यान एक पुरानी तकनीक है, जो मानसिक और शारीरिक सेहत को सुधारने में मदद करती है। यह न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि शरीर को भी तंदुरुस्त रखता है। ध्यान से आप अपनी मानसिक एकाग्रता बढ़ा सकते हैं और आत्म-जागरूकता को भी बढ़ा सकते हैं। आइए जानते हैं कि ध्यान को फिटनेस रूटीन का हिस्सा बनाकर आप क्या-क्या लाभ उठा सकते हैं।

तनाव को कम करने में है सहायक

ध्यान करने से दिमाग की गतिविधियां शांत होती हैं, जिससे तनाव का स्तर कम होता है। जब आप नियमित रूप से ध्यान करते हैं, तो आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप रोजमर्रा की चुनौतियों का सामना आसानी से कर पाते हैं। इससे न केवल आपका मन शांत रहता है, बल्कि आप अधिक सकारात्मक भी महसूस करते हैं। ध्यान से आपकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है और आप अधिक स्पष्टता से सोच पाते हैं।

नींद की गुणवत्ता हो सकती है बेहतर

ध्यान करने से नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। यह आपको गहरी नींद लेने में मदद करता है, जिससे आप सुबह तरोताजा महसूस करते हैं। नियमित ध्यान करने वाले लोग जल्दी सो जाते हैं और उनकी नींद भी अच्छी आती है। इससे आपका दिन ऊर्जा से भरपूर रहता है और आप अधिक सक्रिय महसूस करते हैं। इसके अलावा ध्यान से आपकी मानसिक शांति भी बढ़ती है, जो नींद को और भी बेहतर बनाती है।

शारीरिक दर्द में मिलेगी राहत

ध्यान करने से शरीर के दर्द में भी राहत मिल सकती है। यह मांसपेशियों की जकड़न को कम करता है और रक्त के प्रवाह को बढ़ावा देता है। इससे दर्द में कमी आती है और शरीर में हल्कापन महसूस होता है। नियमित रूप से ध्यान करने से शरीर का लचीलापन भी बढ़ती है, जिससे दैनिक गतिविधियों में आसानी होती है। इसके अलावा ध्यान से मानसिक शांति भी मिलती है, जो दर्द को और भी कम करती है।

एकाग्रता बढ़ाने में है मददगार

ध्यान करने से एकाग्रता बढ़ती है, जिससे कामकाज में अधिक उत्पादकता मिलती है। यह आपको लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करता है और किसी भी कार्य को बेहतर तरीके से पूरा करने की क्षमता देता है। नियमित रूप से ध्यान करने से मानसिक स्पष्टता भी बढ़ती है, जिससे आप अपने काम में अधिक कुशल बनते हैं। इसके अलावा ध्यान से आपकी सोचने की क्षमता भी बेहतर होती है, जिससे आप समस्याओं का समाधान आसानी से पा सकते हैं।

आत्म-जागरूकता बढ़ाने में है मददगार

ध्यान करने से आत्म-जागरूकता बढ़ती है, जिससे आप अपने विचारों और भावनाओं को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं। यह आपको अपनी कमजोरियों और ताकतों को पहचानने में मदद करता है। नियमित रूप से ध्यान करने से आत्म-नियंत्रण भी बढ़ता है, जिससे आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

इसके अलावा ध्यान से मानसिक शांति भी मिलती है, जो आत्म-जागरूकता को और भी बढ़ाती है। इससे आपका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है।

पाकिस्तान ने चीनी तकनीक पर आधारित फतह-3 सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का किया अनावरण

इस्लामाबाद,(आरएनएस)। पाकिस्तान ने चीनी तकनीक पर आधारित फतह-3 सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का अनावरण किया है। इस मिसाइल को भारत के साथ हुए संघर्ष के एक साल पूरे होने के मौके पर जनता के सामने प्रदर्शित किया गया। पाकिस्तान इस मिसाइल को भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का जवाब के तौर पर पेश करना चाह रहा है। ये चीन की एचडी-1 मिसाइल का उन्नत संस्करण है,जो इस्लामाबाद-बीजिंग के बीच बढ़ते संबंधों को भी दर्शाती है।यह आवाज की गति से 2.5 से लेकर 4 गुना तक तेज रफ्तार से उड़ान भर सकती है। यह ग्लाइड करते हुए जमीन और समुद्र की सतह से सटकर उड़ सकती है, जिससे इसके दुश्मन के रडार में पकड़े जाने की संभावना कम हो जाती है। रक्षा विश्लेषकों का मानना है कि इस मिसाइल का वजन लगभग 1.2 से 1.5 टन है और ये अपने साथ लगभग 250 किलोग्राम वजनी वॉरहेड ले जा सकती है।पाकिस्तान अब तक पारंपरिक लंबी दूरी के अभियानों के लिए मुख्य रूप से धीमी गति वाली सबसोनिक क्रूज मिसाइलों और बैलिस्टिक प्रणालियों पर निर्भर था। फतह-3 सुपरसोनिक मिसाइल है, जो गति के मामले में उल्लेखनीय उपलब्धि है। कम ऊंचाई पर उड़ने वाली ये मिसाइल रडार को चकमा देने में सक्षम है। इसमें कथित तौर पर ठोस ईंधन प्रणोदन प्रणाली का उपयोग इसे पुराने तरल ईंधन मिसाइल डिजाइनों की तुलना में भंडारण, संचालन और त्वरित प्रक्षेपण प्रक्रियाओं में बेहतर बनाता है।ओएसआईएनटी रिसर्चर्स ने फतह-3 मिसाइल को चीनी एचडी-1 मिसाइल ही बताया है, जिसका पाकिस्तान ने स्थानीय स्तर पर उत्पादन किया है। वहीं, आईडीआरडब्ल्यू के मुताबिक, पाकिस्तान ने गुआंगडोंग होंगडा ब्लास्टिंग नाम की एक चीनी कंपनी से एचडी-1 नाम की रैमजेट प्रोपल्शन मिसाइल खरीदी है। पाकिस्तान का दावा है कि क्रूज क्षमता होने की वजह से ये मिसाइल जमीन से काफी नीचे उड़ान भरेगी और काफी ज्यादा स्पीड की वजह से एयर डिफेंस सिस्टम्स के लिए इसे इंटरसेप्ट करना मुश्किल होगा।

मेक्सिको के मेला मैदान में लगी भीषण आग, 5 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, (आरएनएस)। मेक्सिको के तबस्को राज्य में स्थित विलाहेरमोसा शहर में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां मैदान में लगे एक मेले में भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब हजारों लोगों की भीषण मेले के एक संगीत कार्यक्रम में मौजूद थी। आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई और कई लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है, जिसमें भगदड़ दिख रही है। सूत्रों ने बताया कि संगीत कार्यक्रम बुधवार रात को शुरू हुआ था, जिसमें करीब 1.35 लाख लोग शामिल हुए थे। तबस्को के गर्वनर जेवियर मे ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि आग को बुझा लिया गया है प्रभावित लोगों के लिए आर्थिक सहायता की योजना बनाई जा रही है। मेला मैदान में लगभग 200 स्टॉल जलकर खाक हो गए हैं। आपातकालीन अभियान के तहत आगंतुकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस का कहना है कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि यह शॉर्ट सर्किट से लगी होगी। कानून प्रवर्तन एजेंसियां इसकी जांच कर रही हैं। प्रशासन ने प्रभावित परिवारों के साथ व्यापारियों और व्यवसायों के लिए भी एक आर्थिक पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम की घोषणा की है। बता दें कि पिछले साल नवंबर में उत्तर-पश्चिमी शहर हर्मोसिलो के वाल्डो डिस्काउंट स्टोर में भीषण आग लगी थी, जिसमें 23 मौत हुई थी।

नाकाबंदी के बीच रडार से गायब हुए जहाज, होर्मुज से UAE ने चुपचाप पार करा लिए 4 विशाल तेल टैंकर

अबू धाबी, (आरएनएस)। मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव और ईरान के कड़े तेवरों के बीच संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने एक बेहद जोखिम भरा 'सीक्रेट ऑपरेशन' अंजाम दिया है। खाड़ी में युद्ध के मंडराते बादलों के बावजूद यूएई ने बेहद खामोशी और सावधानी के साथ होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते अपनी तेल सप्लाई जारी रखी है। रॉयटर्स की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, यूएई की सरकारी तेल कंपनी एडीएनओसी (ADNOC) ने अप्रैल महीने में कम से कम 60 लाख बैरल कच्चा तेल खाड़ी से बाहर भेजा है। इसमें 40 लाख बैरल 'अपर जाकुम' क्रूड और 20 लाख बैरल 'दास' क्रूड शामिल है, जिसे चार विशाल टैंकरों के जरिए सुरक्षित बाहर निकाला गया।

लोकेशन ट्रैकर बंद कर ईरान को दिया धोखा

ईरानी सेना की नजरों और हमलों से बचने के लिए यूएई ने समुद्र में बड़ी चाल चली। रिपोर्ट के अनुसार, यूएई ने अपने कई तेल टैंकरों के ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (AIS) यानी लोकेशन ट्रैकर को पूरी तरह से बंद कर दिया था। रडार बंद होने की वजह से इन जहाजों की असल लोकेशन ट्रैक करना लगभग नामुमकिन हो गया। दिलचस्प बात यह है कि रडार से गायब होकर तेल सप्लाई करने का यह वही 'भूतिया'

तरीका है, जिसे खुद ईरान भी लंबे समय से अमेरिकी प्रतिबंधों को चकमा देने के लिए खुलेआम इस्तेमाल करता आया है।

समुद्र के बीचों-बीच दूसरे जहाजों में शिफ्ट हुआ तेल

होर्मुज स्ट्रेट के बेहद संवेदनशील इलाके को पार करने के बाद इन टैंकरों ने समुद्र के बीचों-बीच ही दूसरे जहाजों में तेल को ट्रांसफर (शिप-टू-शिप ट्रांसफर) किया। इसके बाद इस कच्चे तेल को मलेशिया, दक्षिण कोरिया और अन्य एशियाई देशों की रिफाइनरियों तक सुरक्षित पहुंचाया गया, जबकि कुछ हिस्सा ओमान के स्टोरेज टर्मिनल में भी भेजा गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि 'हफीत' नामक जहाज 20 लाख बैरल तेल लेकर होर्मुज पार कर मलेशिया की पेंगरांग रिफाइनरी पहुंचा। वहीं, 'अलीएकमोन-1' नाम के एक अन्य टैंकर ने 20 लाख बैरल क्रूड तेल सुरक्षित ओमान पहुंचाया।

ड्रोन हमले का बड़ा खतरा, फिर भी सप्लाई जारी रखने की जिद

इस पूरे ऑपरेशन में यूएई ने कितना बड़ा जोखिम उठाया है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इराक, कुवैत और कतर जैसे अन्य खाड़ी देशों ने तनाव के डर से अपनी तेल बिक्री या तो बहुत कम कर दी है या पूरी तरह रोक दी है। वहीं, सऊदी अरब अब सिर्फ लाल सागर के रास्ते ही अपना तेल भेज पा रहा है। यूएई ने हाल ही में आरोप भी लगाया था कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते वक्त उसके एक खाली टैंकर 'बराकाह' पर ईरान ने ड्रोन से हमला किया था। इस तनाव के बाद से एडीएनओसी का तेल निर्यात रोजाना 10 लाख बैरल से ज्यादा घट गया है।

इंडोनेशिया का माउंट डुकोनो ज्वालामुखी फटा; 3 पर्वतारोहियों की मौत, 32,000 फीट ऊपर पहुंची राख

जकार्ता,(आरएनएस)। इंडोनेशिया में हमाहेरा द्वीप पर स्थित माउंट डुकानो ज्वालामुखी शुक्रवार को विस्फोट हो गया। घटना के बाद कम से कम 3 पर्वतारोहियों की मौत हो गई, जबकि 10 अभी फंसे हैं। घटना सुबह 7:41 बजे हुआ है। ज्वालामुखी फटने के बाद उसकी राख क्रेटर से 10 किलोमीटर (करीब 32808 फीट) ऊपर तक फैल गई है। इलाके में फंसे पर्वतारोहियों को बचाने के लिए एक आपातकालीन अभियान शुरू किया गया है। इसमें 9 पर्वतारोही सिंगापुर के नागरिक हैं। उत्तरी हलमाहेरा प्रांत के पुलिस प्रमुख ने बताया कि घटना में 3 लोग मारे गए हैं, जिनमें 2 सिंगापुर के नागरिक और एक पूर्वी इंडोनेशिया के टेरनाटे द्वीप का एक निवासी है। उन्होंने बताया कि सभी पर्वतारोही थे। वैज्ञानिकों ने ज्वालामुखी गतिविधि में वृद्धि देखे जाने के बाद 17 अप्रैल से इस क्षेत्र को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया था। निवासियों और पर्यटकों से ज्वालामुखी के गड्ढे के 4 किलोमीटर के दायरे से दूर रहने को कहा गया है।माउंट डुकोनो हाल्माहेरा द्वीप पर स्थित 3 ज्वालामुखियों में से एक है। यह 1933 से लगातार फट रहा है, जिसमें अक्सर सल्फर डाइऑक्साइड के गुबार निकलते हैं। यह इंडोनेशिया के मुख्य यात्रा मार्गों से दूर है।

अमेरिकी अदालत ने डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक 10 प्रतिशत टैरिफ को रद्द किया, अमान्य बताया

वाशिंगटन, (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय से टैरिफ के मामले में बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि 10 प्रतिशत वैश्विक शुल्क अवैध थे। कोर्ट ने यह फैसला 3 न्यायाधीशों के विभाजित मत के आधार पर न्यायाधीशों के एक मत ने 2-1 से सुनाया है। कोर्ट ने कहा कि ट्रंप ने कानून के तहत कांग्रेस द्वारा राष्ट्रपति को दी गई शुल्क संबंधी शक्ति का उल्लंघन किया था।

न्यायाधीशों के बहुमत ने जहां टैरिफ को अमान्य और कानून द्वारा अनधिकृत बताया, वहीं पैनल के तीसरे न्यायाधीश ने असहमति जताते हुए कहा कि यह कानून राष्ट्रपति को शुल्क निर्धारण पर व्यापक अधिकार देता है। कोर्ट ने यह फैसला छोटे व्यवसायी कंपनी वाशिंगटन राज्य की मसाला कंपनी बर्लैप एंड बैरल और खिलौना कंपनी बेसिक फन की याचिका पर सुनाया है। उन्होंने टैरिफ को चुनौती दी थी। यह निर्णय केवल 2 आयातकों और वाशिंगटन राज्य पर ही लागू होता है।

गुरुवार के फैसले में प्रशासन को याचिकाकर्ताओं से इन शुल्कों की वसूली बंद करने और पहले किए गए भुगतानों को वापस करने का निर्देश दिया गया है। कोर्ट के फैसले के अनुसार 3 याचिकाकर्ताओं के अलावा अन्य सभी आयातकों के लिए जुलाई तक अस्थायी टैरिफ लागू रह सकते हैं। इन शुल्कों की अवधि जुलाई में समाप्त होने की उम्मीद है। फैसले में पाया गया कि ट्रंप द्वारा 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत शुल्क लगाना गलत था। न्यूयॉर्क स्थित कोर्ट ने सभी आयातकों पर टैरिफ को रोकने के लिए निषेधाज्ञा जारी करने से इनकार कर दिया है। बता दें कि 24 राज्यों के एक समूह द्वारा दायर याचिका में अधिकांश का नेतृत्व डेमोक्रेट कर रहे थे। अदालत ने पाया कि उसके पास ऐसा करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट के फैसले में कहा कि निजी याचिकाकर्ताओं ने विश्वव्यापी निषेधाज्ञा के लिए कोई विशिष्ट तर्क नहीं दिए हैं। प्रशासन फैसले के खिलाफ अपील कर सकता है।ट्रंप प्रशासन ने इस साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट द्वारा हर देश पर पहले लगाए गए दोहरे अंकों के व्यापक टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद अस्थायी 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ को लागू किया था।

खेल समाचार

खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर BCCI लागू करने जा रही नए नियम

लखनऊ (ए.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने कहा कि गवर्निंग बॉडी सभी आईपीएल खिलाड़ियों के लिए टूर्नामेंट के दौरान पारदर्शिता बेहतर करने और सुरक्षा इंतजाम को मजबूत करने के लिए कड़े नियम ला रही है।उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों तक पहुंच को नियंत्रित किया जाएगा, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी, बाहरी दखल या सुरक्षा खतरे से बचा जा सके। राजीव शुक्ला ने बताया कि अब फैंस और बिना अनुमति वाले लोगों को टीम होटल, टीम बस या खिलाड़ियों के निजी क्षेत्रों में उनसे मिलने की इजाजत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आईपीएल की पारदर्शिता बनाए रखने और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करने के लिए ये नियम अगले कुछ दिनों में लागू किए जा सकते हैं।बीसीसीआई ने हाल ही में सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सात पन्नों की नई गाइडलाइन भेजी है। इसमें टीमों को हनी-ट्रैप जैसे संभावित खतरों से सावधान रहने को कहा गया है। बोर्ड ने साफ किया है कि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसी वजह से अब होटल और टीम से जुड़े सभी गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाएगी। नई गाइडलाइन के

मुताबिक, किसी भी खिलाड़ी या टीम अधिकारी के कमरे में बिना टीम मैनेजर की जानकारी और मंजूरी के कोई भी व्यक्ति नहीं जा सकेगा। चाहे वह खिलाड़ी का दोस्त, रिश्तेदार या कोई और परिचित ही क्यों न हो। सभी टीम मैनेजरों को होटल में आने-जाने वाले मेहमानों और खिलाड़ियों की गतिविधियों का रिकॉर्ड भी रखना होगा। बीसीसीआई ने यह भी कहा है कि वह समय-समय पर अचानक 'सरप्राइज चेक' करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी फ्रेंचाइजियां नियमों का सही तरीके से पालन कर रही हैं। इसके अलावा, बोर्ड ने खिलाड़ियों और अधिकारियों को वेपिंग और ई-सिगरेट से भी दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें उन्हें ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते देखा गया था। इसके बाद बीसीसीआई ने सख्त रुख अपनाया है।बोर्ड ने कहा कि भारत में वेप और ई-सिगरेट का इस्तेमाल कानूनन प्रतिबंधित है। अगर कोई खिलाड़ी या अधिकारी ऐसा करते पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है। बीसीसीआई ने फ्रेंचाइजी मालिकों के लिए भी नए निर्देश जारी किए हैं। मैच के दौरान मालिकों को डगआउट में खिलाड़ियों, कोच या सपोर्ट स्टाफ से बातचीत करने से मना किया गया है। बोर्ड का मानना है कि इससे खेल के दौरान अनावश्यक दबाव और बाहरी दखल कम होगा। बोर्ड का कहना है कि इन नए नियमों का मकसद आईपीएल को और ज्यादा पारदर्शी, सुरक्षित और प्रोफेशनल बनाना है, ताकि खिलाड़ियों और टूर्नामेंट की विश्वसनीयता बनी रहे।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं।पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं।

वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का माननाहै कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

भुवनेश्वर कुमार का 200वां आईपीएल मैच, किंग कोहली ने तारीफ में बोली बड़ी बात

नईदिल्ली(ए.) । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है. वो 200 आईपीएल मैच खेलने वाले महान खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज ने ये उपलब्धि इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में हासिल की. इस मैच से पहले भुवनेश्वर ने 199 आईपीएल मैचों में 26.40 की औसत और 7.68 की इकॉनमी रेट से 215 विकेट लिए हैं. इसमें दो बार पांच विकेट और दो बार चार विकेट लेने का कारनामा भी शामिल है, और उनका सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग प्रदर्शन 5/19 रहा है.इस मील के पत्थर से पहले, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली ने भुवनेश्वर की तारीफ की. एक्स पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा जारी एक वीडियो में, कोहली ने भुवनेश्वर को टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बॉलर्स में से एक बताया. कोहली ने वीडियो में कहा, 200 मैच खेलना, खासकर एक तेज गेंदबाज के तौर पर, एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तान बना सकती है बीसीसीआई : रिपोर्ट

मुम्बई (ए.)। भारतीय टी20 विश्वकप क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी पर खतरा मंडरा रहा है। सूर्यकुमार का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और वह रनों के लिए संघर्ष करते दिखे हैं। ऐसे में भविष्य की ओर देखते हुए बीसीसीआई चयन समिति उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को कप्तानी दे सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार नये कप्तान की दौड़ में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। सूर्या की कप्तानी में भारतीय टीम ने विश्वकप जीता था पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा है कि चयन समिति अब उनसे आगे बढ़ना चाहती है। इस भारतीय टीम को इस सत्र में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ अहम सीरीज खेलनी है, और बीसीसीआई जब इन इन मुकाबलों के लिए टीम घोषित करेगा तो टीम को इस प्रारुप में एक नया कप्तान मिल सकता है।

टी20 विश्वकप के अलाव सूर्या आईपीएल में भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं।

उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन के कारण् चयनकर्ताओं का मानना है कि अब उन्हें आगे बढ़ने की जरुरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयनकर्ता अगले क्रिकेट चक्र के लिए टीम में एक नई ऊर्जा लाना चाहते हैं, जिसकी शुरुआत आयरलैंड में दो टी20 मैचों से होगी और उसके बाद इंग्लैंड में पांच मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वहीं श्रेयस ने पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में उन्हें कप्तानी सौंपी जा सकती है। बीसीसीआई और टीम प्रबंधन 2028 टी20 विश्व कप और लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। इसमें नए नेतृत्व को अवसर दिया जा सकता है, जिससे भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। अभी के हिसाब से, कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के दिन कुछ ही लग रहे हैं, और देखना होगा कि वह बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना पाते हैं या नहीं।

आईपीएल 2026: मिचेल मार्श लखनऊ सुपर जायंट्स से सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली,(ए.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 50वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ शतकीय पारी (111) खेली। ये उनके आईपीएल करियर का दूसरा ही शतक रहा, जिसे उन्होंने 49 गेंदों में पूरा किया। इस संस्करण शतक जड़ने वाले मार्श 10वें खिलाड़ी रहे। संजू सैमसन एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने आईपीएल 2026 में 2 शतक लगाए हैं। ऐसे में आइए मार्श की पारी और आंकड़ों पर एक नजर डाल लेते हैं।

मार्श सलामी बल्लेबाज के रूप में आए और पहली गेंद से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने साथी जोड़ीदार अर्शिन कुलकर्णी के साथ मिलकर 56 गेंदों में 95 रन की साझेदारी निभाई। मार्श के बल्ले से पावरप्ले के दौरान 58 रन निकले। वह 56 गेंदों में 9 चौके और 9 ही छक्के की बदौलत 111 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच से पहले मार्श ने इस संस्करण सिर्फ एक अर्धशतकीय पारी (55) राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेली थी। मार्श ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाया है। इस खिलाड़ी ने ऋषभ पंत का रिकॉर्ड तोड़ा है। पंत ने आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ही खिलाफ 54 गेंदों में शतक लगाया था।

भारतीय क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव बने पिता, पत्नी देविशा ने बेटी को दिया जन्म

नईदिल्ली(आरएनएस)। भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पिता बने हैं। उनकी पत्नी देविशा शेट्टी ने बेटी को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर खुद ये जानकारी दी है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में सूर्यकुमार 4 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में खेले थे। एमआई को अब अपने अगले मैच में 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ना है और इस मैच में सूर्यकुमार के हिस्सा लेने को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं है।सूर्यकुमार ने 2016 में देविशा के साथ शादी की थी। ये जोड़ी शादी से पहले एक-दूसरे को लंबे समय तक डेट कर चुके थे। सूर्यकुमार जब भी भारतीय टीम में खेलते हुए नजर आते हैं या आईपीएल में एमआई से खेलते हैं, तब अमूमन देविशा भी मैदान पर नजर आती हैं। बता दें कि सूर्यकुमार इस समय परिवार के साथ मौजूद हैं, जबकि एमआई के बाकी खिलाड़ी अगले मैच के लिए रायपुर पहुंच चुके हैं।आईपीएल 2026 में सूर्यकुमार नाम के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। उन्होंने अब तक 10 पारियों में 19.50 की औसत और 145.52 की स्ट्राइक रेट के साथ 195 रन बनाए हैं। इस बीच उन्होंने एक अर्धशतक लगाया है। उनकी टीम ने इस सीजन में निराश किया है। आईपीएल 2026 में एमआई ने अब तक 10 मैच खेले हैं, जिसमें से सिर्फ 3 में जीत दर्ज की है और 7 में हार झेली है।

देश की प्रमुख व मप्र, गुजरात की जीवन रेखा मां रेवा का प्रदूषण नहीं हो रहा कम

111 सहायक नदियों वाली नर्मदा जी की स्वच्छता के लिए तेज अभियान की जरूरत

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। देश की प्रसिद्ध मप्र और गुजरात की जीवन रेखा मां नर्मदा की जलधारा पर संकट मंडरा रहा है। मां नर्मदा का जल संग्रहण हरित क्षेत्र तीव्रता से कम हो रहा है। तटीय क्षेत्र में दिन रात अंधाधुंध दोहन, शोषण, अतिक्रमण, निर्माण, खनन से नर्मदा जी के जीवन पर संकट बनता जा रहा है। कुछ लोग नासमझी के कारण तथा कुछ लोग जानते समझते हुए भी दोहन करते जा रहे हैं। जिससे उत्तर और दक्षिण तट पर 111 सहायक नदियों वाली मां नर्मदा की जलधारा कमजोर होती जा रही है। नौबत तो यहां तक आ रही है कि कुछ क्षेत्रों में नर्मदा जी की जलधारा गुप्त सी होने लगी हैं। कई स्थान ऐसे हैं जहां पर 50 फीट तक गहराई रहती थी अब वहां भी कम पानी बचा है। नर्मदा जी के इस संकट को लेकर संत भैयाजी सरकार दादा गुरू भी काफी दिनों से सत्याग्रह कर रहे हैं। जन जागरण कर रहे हैं। मां नर्मदा का जल प्रदूषित भी हो रहा है। जिस पर रोक के लिए तेज अभियान की जरूत है।

बहुत कम होता जा रहा है जल

नर्मदा जी की अनेक बार परिक्रमा कर चुके मां नर्मदा के भक्त कवि खेमचंद यादवेश व पिछले दिनों ही श्री यादवेश के साथ परिक्रमा करने वाले कमलेश सक्सेना ने बताया कि अनेक स्थानों पर नर्मदा जी का जल बहुत कम होता जा रहा है। अनूपपुर जिला के पास कपिलधारा तीर्थ स्थान के पास से लेकर नीचे तक जंगल वाले हिस्से में तक नर्मदा जी अनेक स्थान पर विलुप्त सी हो गई हैं। उसके आगे पीछे के अनेक स्थान पर भी कम ही पानी बह रहा है। अब ऐसे दृश्य अनेक स्थानों पर बन रहे हैं जो देश के लिए गहरी चिंता का विषय होना चाहिए।

कट रहे हैं जंगल

वैसे तो नर्मदा जी का अनेक तरह से शोषण व दोहन हो रहा है। नर्मदा तट के अनेक क्षेत्रों में जंगल कट रहे या जल रहे हैं। तट पर खेती करने वाले अनेक लोग अपनी फसल कटने के बाद नरवाई में आग लगा देते हैं। जिससे जंगल तक में आग फैल जाती है। जिससे अनेक बड़े-बड़े पेड़ जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिनसे भी जल का स्त्रोत कम हो जाता है।

खेमचंद यादवेश मां नर्मदा की अनेक बार परिक्रमा कर चुके हैं।

नर्मदा जी का संरक्षण अति आवश्यक है

आध्यात्मिक, आर्थिक व सांस्कृतिक महत्व की नदी मां नर्मदा सबका उद्धार करने वाली है। लाखों लोगों को जीवन देने वाली का जीवन संकट में है। उसके तट पर घने पेड़ की जरूरत है। लेकिन पेड़ कट रहे हैं। नर्मदा जी का संरक्षण होना चाहिए। इसके लिए विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। जो दिखावे के नहीं असलियत में होने चाहिए। कुछ लोग कर भी रहे हैं।

कमलेश सक्सेना, हाल ही में परिक्रमा की है

नर्मदा जी की हालत ठीक नहीं है

मैं परिक्रमा कर चुका हूं। अनेक स्थानों पर अनायास ही देखने में आता है कि कुछ क्षेत्रो में नर्मदा जी की बहुत पतली हो गई हो गई हैं। नर्मदा जी की हालत ठीक नहीं है। इसके लिए शासन के साथ जनभागीदारी भी बड़े पैमाने पर होना चाहिए। क्योंकि मां नर्मदा साक्षात देवी हैं। उनकी ऐसी हालत नहीं होनी चाहिए। अभी भी वक्त है लोगों को जागरूक होना चाहिए।

हीरालाल शर्मा मां नर्मदा परिक्रमावासी

किसानों की समस्याओं को लेकर किसान संघ ने ज्ञापन सौंपा

डोलरिया। माखन नगर भारतीय किसान संघ तहसील डोलरिया द्वारा शुक्रवार को मुख्यमंत्री व कलेक्टर के नाम 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। किसानों को समर्थन मूल्य में हो रही परेशानी को अवगत कराया गया इन समस्याओं की ज्ञापन प्रति तहसीलदार डोलरिया को सौंपी गई जिसमें मुख्य रूप से जिले से ललित सिंह चौहान राजकुमार बेस पन्नालाल गोर एवं तहसील कार्यकारिणी से तहसील अध्यक्ष बदामी लाल साध तहसील मंत्री विनोद दुबे एवं संजय राजपूत शिवम विश्वकर्मा अवनीश गौर माखनलाल पटेल सहित क्षेत्र के एवं भारतीय किसान संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

माखन नगर में भी ज्ञापन सौंपा

भारतीय किसान संघ तहसील माखन नगर द्वारा किसानों की समर्थन मूल्य खरीदी में आ रही समस्याओं के संबंध में 13 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा गया। जिसमें प्रमुख मांग सभी खरीदी केंद्रों पर शासन की नीति अनुसार 6 कांटो से तुलाई की जावे। किसानों को परेशान नहीं किया जावे। सर्ववर की तकनीकी कमी के कारण किसानों के बिल नहीं बन पाए हैं उन सभी किसानों को फिर से पोर्टल खोलकर उनके बिल बने जावे। ज्ञापन देते समय संघ के उदय पांडेय, लखन लाल चौधरी, राजेश कुमार दीवान, गोपाल मीणा, हितेष चौधरी, सुशील कुमार मीणा, मोहित चौधरी, गणेश राम, श्रीराम पटैल, कैलाश मीणा, नरेंद्र मीणा कृष्णा मीणा, आदि अनेक सदस्य शामिल रहे।

कांग्रेस ने गेहूं खरीदी केंद्र पर आ रही समस्याओं का लिया जायजा

नर्मदापुरम (निप्र)। कांग्रेस ने किसान वेयरहाउस जासलपुर पहुंचकर किसानों के बीच जाकर जो लंबे समय से ट्रालियों की लंबी लाइन लगी हुई थी किसान परेशान थे तुलाई नहीं हो पा रही थी व्यवस्थित ट्रालियों के टोकन बटवाए एवं तुलाई चालू करने का समिति से आश्वासन लिया गया। सभी ट्रॉली दो से तीन दिन में तोल देगे कांग्रेस ने चेतावनी दी है की यदि व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं हो पाई तो पुन हम आकर चक्का जाम करेंगे ।जिला अध्यक्ष राजीव गांधी पंचायती राज हेमचंद कश्यप नगर किसान कांग्रेस अध्यक्ष शिवमंगल सिंह चौहान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण अनुराग मलैया किसान कांग्रेस उपाध्यक्ष अनिल चौरे देवी सिंह बिछुआ मंडल अध्यक्ष दीनदयाल चौरे आदि लोग उपस्थित थे।

आत्मा योजना अंतर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए आवेदन 20 मई तक आमंत्रित

नर्मदापुरम (निप्र)। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (SMAE) आत्मा के तहत मूल्यांकन वर्ष 2025-26 के लिए सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार और बेस्ट आत्मा जिला पुरस्कार की कार्यवाही शुरू हो गई है। संचालनालय, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार वर्ष 2026-27 में आधार वर्ष 2025-26 के लिए जिला स्तरीय 10 सर्वोत्तम कृषक और विकासखंड स्तरीय 35 सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार दिए जाएंगे।

नाले की फेंसिंग करने कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम(निप्र)। नगर काँग्रेस कमेटी ने शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 6 बजरिया की गंभीर खुले नाले की समस्या को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। वार्ड अध्यक्ष सोनू गक्खर ने बताया कि कैसे निरंतर 4 से 5 वर्षो से वार्ड के नागरिक खुले नाले में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। इस समस्या को हल करते हुए तत्काल प्रभाव से नाले की फेंसिग करा कर वार्ड के नागरिको का दुर्घटना से बचाव सुनिश्चित किया जाये। ज्ञापन सौपने वालो में मुख्य रूप से नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष अनोखे राजौरिया मंडलम अध्यक्ष गुलाम हैदर मंजुल मणि ढिमोले तुकाराम यादव ग्रामीण अध्यक्ष अनुराग मलैय्या मुकुल गुप्ता संतोष तोमर कीर्ति मिश्रा फैजानुल हक गुलाम मुस्तुफा रिज़वान खान कपिल यादव शैलेन्द्र तोमर संतोष अहिरवार समेत अनेक काँग्रेस नेताओ व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपाईयों के प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों को लेकर बैठक हुई

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय जनता पार्टी के 16 एवं 17 मई को आयोजित होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर जिला टोली सदस्यों की बैठक शुक्रवार को परमशी गार्डन में संपन्न हुई। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभागीय प्रभारी श्रीकांत देव सिंह ने टोली सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रत्येक तीन वर्ष में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करती है जिसका उद्देश्य कार्यकर्ताओं का वैचारिक निर्माण, संगठनात्मक मजबूती एवं अनुशासन का विकास करना है। उन्होंने प्रशिक्षण महाअभियान में स्वदेशी वस्तुओं के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कार्यकर्ताओं को विभिन्न विषयों पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया।बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला ने प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों को लेकर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। उन्होंने आवास व्यवस्थाए भोजन, पंजीयन, बैठक व्यवस्था, महिला कार्यकर्ताओं की सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए टोली सदस्यों को आवश्यक जिम्मेदारियां सौंपीं। बैठक में जिला प्रभारी अलकेश आर्य भरत सिंह राजपूत माधवदास अग्रवाल मुकेशचंद्र मैना, कुँवर सिंह यादव जयकिशोर चौधरी श्रीमती नीना नागपाल श्रीमती नीतू महेंद्र यादव, सुरेश पटेल सहित जिला टोली के सदस्य उपस्थित रहे।

09 मई को नेशनल लोक अदालत- नर्मदापुरम जिले में 27 खंडपीठें करेंगी 9281 मामलों का निराकरण

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर 09 मई 2026 को नर्मदापुरम जिले में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। प्रधान जिला एवं सेशन न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय नर्मदापुरम सहित इटारसी, पिपरिया, सोहागपुर, सिवनीमालवा तहसील न्यायालयों में यह अदालत लगेगी।

किसानों को आसानी से खाद एवं बीज की उपलब्धता रहे, कालाबाजारी करने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए : प्रभारी मंत्री राकेश सिंह

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक सेठानी घाट पर आने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रभावशील कार्रवाई करें

नर्मदापुरम(निप्र)। जिले के किसानों को सहजता से एवं आसानी से खाद की उपलब्धता हो साथ ही खाद एवं बीज की कालाबाजारी करने वालो पर सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए, कृषि विभाग आगामी फसल के लिए अभी से खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करें। ई विकास पोर्टल से किसान खाद के लिए आसानी से अपने खाद का ऑर्डर बुक कर सके इसके लिए कृषि विभाग आवश्यक उपाय सुनिश्चित करें। साथ ही जिन किसानों का नंबर जिस दिन आ रहा है उन किसानों को उसी दिन खाद की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। किसी भी खरीदी केंद्र में किसानों की लंबी-लंबी कतारे ना लगे, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि एवं कलेक्टर बैठक कर इसका उचित समाधान करें। किसानों को खरीदी केंद्र में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। उक्त निर्देश प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदा पुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में दिए। प्रभारी मंत्री ने प्रतिनिधियों द्वारा तौल कांटों के संबंध में गड़बड़ी की आशंका की जानकारी संज्ञान में लाने पर कलेक्टर को निर्देश दिये की वे खरीदी केन्द्रों के तौल कांटों की जांच प्राथमिकता से कराए। प्रभारी मंत्री ने बैठक में कृषि विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय विकास से संबंधित पेयजल योजना, गेहूं उपार्जन आदि की समीक्षा की। प्रभारी मंत्री ने बैठक में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि वह सेठानी घाट पर आने वाले असामाजिक तत्वों एवं नशेड़ियों के विरुद्ध कल से ही प्रभावशाली कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदा पुरम जिले के विधायक डॉक्टर सीता सरन शर्मा, पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सिवनी मालवा विधायक प्रेम शंकर वर्मा,

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती राधा सुधीर पटेल, नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव, जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, जनप्रतिनिधि श्रीमती प्रीति पवन शुक्ला एवं सभी नगर पालिका एवं जनपद पंचायत के अध्यक्ष गण, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस थोटा, वन मंडलाधिकारी गौरव शर्मा सहित सभी संबंधित विभाग के विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों ने जो समस्याएं सामने रखी है उन समस्याओं पर विचार करें। उन समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। उन्होंने कहां की जिले में कहीं भी पेयजल संकट की स्थिति निर्मित ना हो, साथ ही जिले में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति चाक चौबंद रहे। उन्होंने जन प्रतिनिधियों की मांग पर रेवा बनखेड़ी रोड एवं अन्य सड़कों पर किए गए अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाने के निर्देश दिए।प्रभारी मंत्री ने नल जल योजना एवं पेयजल की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि खापरखेड़ी ग्राम पंचायत में हर हाल में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि कहीं भी पेयजल संकट की स्थिति निर्मित ना हो, यदि कहीं ऐसी स्थिति निर्मित हो रही है तो जनप्रतिनिधि गण लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग के अधिकारियों साथ समन्वय कर पेयजल समस्या का निराकरण करें। उन्होंने तिलक सिंदूर में पर्यावरण अनुकूल अस्थाई सामुदायिक शौचालय निर्माण कराने के निर्देश दिए और कहां की तत संबंध में वन विभाग आवश्यक अनुमति जारी करें। वन विभाग शासन से स्वीकृत सड़कों पर डामरीकरण या मुरमी करण करने के लिए विशेष अनुमति जारी करें। अनुमति के अभाव में सड़क निर्माण का कार्य किसी भी स्थिति में रुकना नहीं चाहिए। इसके कारण कार्य बाधित न हो।गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने निर्देश दिए की दूरस्थ स्थित गेहूं खरीदी केंद्र पर पुन: विचार करते हुए यदि संभव हो तो दूरी कम करते हुए किसानों को सहूलियत प्रदान की जाए। उल्लेखनीय है की विधायक गणों ने प्रभारी मंत्री का ध्यान आकर्षित कराते हुए बताया था कि कई खरीदी केंद्र 20 से 25 किलोमीटर दूर है वहां तक पहुंचने में किसानों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

आरटीओ की पहल, 50 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर लगाए रेडियम, किसानों को दिए सुरक्षा निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। कुलमाड़ी रोड़ स्थित मां नर्मदा वेयरहाउस में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) द्वारा सड़क सुरक्षा अभियान चलाया गया। इस दौरान 50 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर नि:शुल्क रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए।आरटीओ अधिकारी ने किसानों से मुलाकात कर सुरक्षित परिवहन और यातायात नियमों के पालन पर जोर दिया। अधिकारियों ने बताया कि रात के समय ट्रैक्टर-ट्रॉली कम दिखाई देती हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। रेडियम लगने से वाहन दूर से ही चमकेंगे और हादसों में कमी आएगी।इसके साथ ही मां नर्मदा वेयरहाउस के स्टाफ को निर्देश दिए गए कि सभी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को रात्रि के समय वेयरहाउस परिसर में ही खड़ा कराया जाए। सड़क किनारे खड़े वाहन अक्सर दुर्घटना का कारण बनते हैं।

एसडीएम विजय राय ने उपार्जन केंद्रों का किया निरीक्षण

किसानों की समस्याओं का मौके पर किया निराकरण, व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने दिए निर्देश

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य निरंतर जारी है। उपार्जन केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग की जा रही है। इसी क्रम में एसडीएम विजय राय ने शुक्रवार को सिवनी मालवा क्षेत्र अंतर्गत शिवपुर क्षेत्र के विभिन्न उपार्जन केंद्रों एवं वेयरहाउस केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्लॉट बुकिंग व्यवस्था, नॉन-एफएक्यू गेहूं, तौल व्यवस्था सहित उपार्जन से संबंधित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित खरीदी समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम श्री राय ने केंद्रों पर उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं एवं कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कराया।

गेहूं उपार्जन 2026- 27: कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विधायकगणों के साथ उपार्जन प्रक्रिया के सुचारु संचालन के संबंध में की चर्चा

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने शुक्रवार को विधायकगणों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में संचालित गेहूं उपार्जन प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में विधायक सिवनी मालवा प्रेम शंकर वर्मा, विधायक सोहागपुर विजयपाल सिंह, विधायक पिपरिया ठाकुरदास नागवंशी, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती नीता कोरी, डीआरसीएस शिवम मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विधायकगणों ने जिले के विभिन्न उपार्जन केंद्रों पर किसानों को आ रही समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया तथा व्यवस्थाओं को और अधिक सुचारु बनाने के लिए विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान उपार्जन प्रक्रिया को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने हेतु आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिला उपार्जन समिति के सदस्यों को निर्देशित किया कि सभी उपार्जन केंद्रों पर खरीदी समय पर प्रारंभ हो तथा जिन किसानों द्वारा स्लॉट बुकिंग की गई है, उनकी उपज की खरीदी निर्धारित तिथि के अनुसार ही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आवश्यकता अनुसार केंद्रों पर हम्मालों की संख्या बढ़ाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने डीआरसीएस को निर्देशित किया कि समिति प्रबंधकों द्वारा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही उपार्जन कार्य में संलग्न सर्वेयरों की कार्यप्रणाली पर भी निगरानी रखने के निर्देश देते हुए कहा कि अनियमितता करने वाले सर्वेयरों को सूचीबद्ध कर उपार्जन कार्य से हटाया जाए। बैठक में कलेक्टर श्री मिश्रा ने विशेष रूप से वृद्ध किसानों की समस्याओं पर संवेदनशीलता दिखाते हुए निर्देश दिए कि जिन किसानों का आधार सत्यापन फिंगरप्रिंट के माध्यम से नहीं हो पा रहा है, उनके लिए ओटीपी अथवा अन्य वैकल्पिक माध्यमों से आधार सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों के भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो।

निस्वार्थ नागरिक सेवा ही रेडक्रॉस की वास्तविक पहचान : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

कलेक्टर ने रेडक्रॉस दिवस पर समाजसेवा में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाएं एवं नागरिकों को किया सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। रेडक्रॉस सोसायटी के संस्थापक हेनरी ड्यूनॉट के जन्मदिवस के अवसर पर 8 मई को जिले में विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें सामाजिक उत्थान एवं नागरिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रेडक्रॉस दिवस की शुभकामनाएं देते

हुए रेडक्रॉस सोसायटी के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से आप सभी निस्वार्थ भाव से जरूरतमंद नागरिकों को सहायता उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक दानदाताओं को रेडक्रॉस सोसायटी से जोड़ने की आवश्यकता है, ताकि जरूरतमंदों को समय पर सहायता उपलब्ध कराई जा सके। कलेक्टर श्री मिश्रा ने समाजसेवा एवं जनहित के कार्यों में सक्रिय संस्थाओं एवं नागरिकों को प्रमाण पत्र एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने नर्मदा घाटों एवं नदी की स्वच्छता के लिए पिछले 300 सप्ताह से लगातार प्रत्येक रविवार को स्वच्छता अभियान चलाने वाली जय हो समिति के अध्यक्ष अर्पित मालवीय को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही मंजू श्रीवास्तव, अखिल भारतीय कायस्थ समाज को भी घाटों की साफ-सफाई एवं सामाजिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र भेंट किया। उल्लेखनीय है कि संस्था में सभी सदस्य सेवानिवृत हैं एवं उनके द्वारा निरंतर घाटों की सफाई के क्षेत्र में कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं भ्रांतियों को दूर करने के उल्लेखनीय कार्य के लिए केशव साहू को भी सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विपिन जैन गौरव सेठ, उदित दिवेदी, नीरजा फौजदार एवं डी एस दांगी को भी समाजसेवा के क्षेत्र में योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।बैठक के दौरान जनपद पंचायत नर्मदापुरम अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर, चेयरमैन जिला रेडक्रॉस अरुण शर्मा, वाइस चेयरमैन डॉ राजेश माहेश्वरी, मुकेश श्रीवास्तव, आशीष शर्मा, डॉ रविंद्र गंगराडे, शेरसिंह बड़कुर सहित अन्य उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com